आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, मंगलवार 08 सितंबर 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 268

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com

dainikindoresanket

dainikindoresanket

dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

राष्ट्रपिता को नमन...

न्यूज ब्रीफ

बिहार के 13 जिलों में बाढ़ 27 लाख लोग प्रभावित

पटना (एजेंसी) ● मानसूनी बादलों के गायब होने की यह तस्वीर IMD ने जारी की है। जिसमें बादल केवल पूर्वी हिस्से में दिखाई दे रहे हैं। मौसम विभाग की नई सैटेलाइट तस्वीरों में भारत के 90% हिस्से में बादल गायब नजर आ रहे है। बिहार में गंगा, कोसी, गंडक, बूढ़ी गंडक, पुनपुन और बागमती नदियों के उफान से बाढ़ की स्थिति बन गई है। राज्य के 13 जिलों में 27 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। बाढ़ के कारण अब तक 20 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

बंगाल में दुर्गा अष्टमी पर शराब बिक्री बंद

कोलकाता (एजेंसी) ● पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इस साल की दुर्गा पूजा के लिए कई नए निर्देशों की घोषणा की। इसमें महाअष्टमी पर शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध और विसर्जन जुलूस के दौरान डीजे के इस्तेमाल पर प्रतिबंध शामिल है। प्रशासन ने पूजा के बाद होने वाले मेले को भी रद्द कर दिया है। यह आयोजन पूर्व सीएम ममता बनर्जी के कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था। विसर्जन जुलूस के दौरान डीजे की अनुमति नहीं होगी।

मप्र में अब तक 31.1 इंच बारिश, 83.5% कोटा पूरा

भोपाल (एजेंसी) ● मध्य प्रदेश में अब तक औसत 31.1 इंच बारिश हो चुकी है। यह अब तक की बारिश के कोटे की 83.5% है। भोपाल समेत 12 जिलों में सामान्य से ज्यादा पानी गिर चुका है। इतने ही जिले बेहतर स्थिति में हैं, लेकिन 31 जिलों में अभी भी बारिश का आंकड़ा काफी कम है। जिन 12 जिलों में सामान्य से बारिश हुई, उनमें भोपाल, राजगढ़, शिवपुरी, निवाड़ी, मैहर, भिंड, श्योपुर, सिंगरौली, सीधी, सतना, मऊगंज और उमरिया शामिल हैं। उमरिया, अनूपपुर, आगर-मालवा, टीकमगढ़ में 90 प्रतिशत से ज्यादा बारिश हो चुकी है।

कॉलेजों में फिर गूंजेंगे चुनावी नारे

जयस की एंट्री से बदले समीकरण

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों में करीब नौ साल के लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर छात्र राजनीति की बहाली की सुगबुगाहट तेज हो गई है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद राज्य सरकार ने शैक्षणिक कैलेंडर में आगामी सितंबर 2026 में छात्रसंघ चुनाव आयोजित कराने का प्रावधान शामिल किया है।

इस निर्णय के बाद से ही प्रदेशभर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। चुनाव की तैयारियों और इसमें देरी को लेकर राजनीतिक गलियारों तथा छात्र संगठनों के बीच तीखी बहस छिड़ गई है।

त्रिकोणीय मुकाबले के आसार और जयस (JAYS) का प्रभाव : इस बार का छात्रसंघ चुनाव पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों—अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) और भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (NSUI)—के बीच का सीधा मुकाबला नहीं रहेगा।

जयस की मजबूत दावेदारी

आदिवासी बहुल क्षेत्रों और मालवा-निमाड़ अंचल के कॉलेजों में जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) ने इस बार पूरी ताकत से चुनाव लड़ने का एलान किया है।

राजनीतिक समीकरणों में बदलाव

छात्र राजनीति के विश्लेषकों का मानना है कि जयस की एंट्री से कई प्रमुख सीटों पर समीकरण बदल सकते हैं। इसी वजह से विपक्ष और कई छात्र संगठनों का आरोप है कि सरकार जयस और अन्य उभरते संगठनों के बढ़ते प्रभाव से आशंकित है, जिसके कारण नियम और प्रक्रियाओं को तय करने में समय लिया जा रहा है।

पक्ष-विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप

- विपक्षी दलों और छात्र नेताओं का आरोप है कि सरकार प्रशासनिक और सुरक्षा कारणों का हवाला देकर चुनावों को टालने और देरी करने का प्रयास कर रही है। उनका दावा है कि युवाओं में सत्ता विरोधी लहर और नए संगठनों के डर से सरकार हिचकिचा रही है।
- वहीं, दूसरी ओर सरकार और उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नौ साल बाद चुनाव हो रहे हैं, इसलिए एक मजबूत और पारदर्शी नियमावली तैयार करना जरूरी है ताकि शैक्षणिक माहौल प्रभावित न हो। विभाग का दावा है कि कोर्ट के निर्देशों का पूरी तरह पालन किया जा रहा है और तय समय सीमा में प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

चुनाव प्रणाली और सुरक्षा पर मंथन

उच्च शिक्षा विभाग और गृह विभाग के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती चुनाव की प्रणाली तय करना और परिसरों में शांति व्यवस्था बनाए रखना है।

प्रत्यक्ष बनाम अप्रत्यक्ष प्रणाली

शासन स्तर पर इस बात को लेकर गहन विचार-विमर्श चल रहा है कि चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली (जिसमें सभी छात्र सीधे मतदान करते हैं) से कराए जाएं या अप्रत्यक्ष प्रणाली (जिसमें पहले कक्षा प्रतिनिधि चुने जाते हैं और वे पदाधिकारी चुनते हैं) से।

सुरक्षा और आचार संहिता

लिंगदोह समिति की सिफारिशों को सख्ती से लागू करने और परिसरों में किसी भी प्रकार की हिंसा या हुड़दंग को रोकने के लिए कड़े नियम तैयार किए जा रहे हैं।

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में अभी भी परमिशन का इंतजार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● 19 सितंबर को राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम इंदौर में होना है। पर कार्यक्रम की परमिशन का पेंच सोमवार को भी नहीं दूर हुआ। इधर, शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे का कहना है कि राहुल गांधी का कार्यक्रम तो ग्राउंड पर होकर रहेगा। कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को लेकर छात्रों में काफी उत्साह देख रहा है। 75 हजार से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हो चुके है और ये संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

रीजनल पार्क के सामने आईडीए के ग्राउंड पर राहुल गांधी का कार्यक्रम किया जाना कांग्रेस ने तय किया है। इसके लिए बकायदा कांग्रेस द्वारा जारी किए गए क्यूआर कोड पर भी कार्यक्रम स्थल में रीजनल पार्क के सामने के ग्राउंड डाला गया है। परमिशन को लेकर रविवार को शहर कांग्रेस अध्यक्ष चौकसे सहित कई कांग्रेस नेता कलेक्टर शिवम वर्मा से भी मिल चुके है। संभावना जताई जा रही थी कि सोमवार को परमिशन के पेंच का हल निकल सकता है, लेकिन सोमवार को भी कार्यक्रम को लेकर परमिशन नहीं मिली। कांग्रेस ने अब परमिशन के लिए आईडीए और नगर निगम को लेटर लिखा है। आईडीए को लिखे लेटर में लिखा है कि छात्रों की गूंज कार्यक्रम के लिए आईडीए की जमीन उपलब्ध कराने और परमिशन दी जाए। कांग्रेस ने 14 से 19 सितंबर तक के लिए आईडीए की जमीन मांगी है।

इसके साथ ही लिखा है कि कार्यक्रम के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए प्रशासन द्वारा निर्धारित सभी नियमों और निर्देशों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जाएगा। कांग्रेस ने इस लेटर की प्राप्ति (रीसिविंग) भी ली है। वहीं कांग्रेस ने नगर निगम से नेहरू स्टेडियम के लिए भी परमिशन मांगी है। इसमें उन्होंने 14 सितंबर से लेकर 19 सितंबर तक के लिए नेहरू स्टेडियम देने की मांग की है।

रील और रियल के बीच फंसता इंदौर

कृष्णपाल सिंह : 9926007727

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर शहर आज जिस दौर से गुजर रहा है, उसे देखकर चिंता होती है। कभी-कभी लगता है कि शहर अब जमीन पर कम और ऋद्रद्य में ज्यादा चल रहा है।

कैमरे के सामने सब कुछ चमकता हुआ नजर आता है उपलब्धियां हैं, सम्मान हैं, बड़े-बड़े दावे हैं, तस्वीरें हैं और उनका प्रचार है। लेकिन कैमरा बंद होते ही शहर की दूसरी तस्वीर सामने आती है। सड़कों पर धूल और गड्ढे हैं, जगह-जगह जाम है, बारिश में रास्तों की हालत बिगड़ रही है, जलभराव और अव्यवस्थाएं हैं और सबसे बड़ी चिंता यह है कि जरूरत पड़ने पर नागरिकों को संभालने वाली व्यवस्था कितनी तैयार है, इसका भरोसा धीरे-धीरे कमजोर होता दिखाई दे रहा है।

एयर क्वालिटी इंडेक्स को लेकर सम्मान मिला। उसका खूब प्रचार हुआ, तस्वीरें सामने आईं, बधाइयां दी गईं। सम्मान मिलना निश्चित रूप से अच्छी बात है। लेकिन जब शहर के लोग ही यह सवाल पूछने लगें कि जमीन पर हालात ऐसे हैं तो यह सम्मान आखिर किस तस्वीर का है, तो उस सवाल को भी सुनना होगा।

शहर को प्रचार नहीं, काम चाहिए

इंदौर को अब AC कमरों से नहीं, सड़कों पर उतरकर संभालने की जरूरत है। शहर को प्रचार नहीं, काम चाहिए। दावे नहीं, जवाब चाहिए। और सबसे ज्यादा जरूरत उस भरोसे की है कि मुश्किल वक्त में व्यवस्था नागरिकों के साथ खड़ी होगी। लेकिन इस कड़वी बात में स्वयं को शामिल किए बिना बात पूरी नहीं होगी। सच यह है कि हम सभी कहीं न कहीं जनता के दर्द, उसकी परेशानियों और वास्तविक हालातों से दूर होते जा रहे हैं। न सार्वजनिक सरोकार वाली पत्रकारिता का वह साहस उतना दिखाई देता है, जो व्यवस्था से असहज सवाल पूछ सके; न जवाबदारी निभाने का वह नैतिक साहस और दूरदर्शिता दिखाई देती है, जो समय रहते समस्याओं को समझकर समाधान तलाश सके।

...तो देश के बाकी शहरों की हवा और हालात क्या होंगे : कई लोग तो यह तक कह रहे थे कि अगर ऐसी स्थिति में भी इंदौर देश में दूसरा स्थान हासिल कर रहा है, तो देश के बाकी शहरों की हवा और हालात क्या होंगे। लेकिन बात सिर्फ हवा की नहीं है। बात पूरे शहर की है। समस्या यह है कि कहीं हम समस्याओं को हल करने से ज्यादा उनकी अच्छी तस्वीर दिखाने को लेकर चिंतित तो नहीं हो गए हैं? अधिकारी हों या नेता, अगर उपलब्धि का मतलब सिर्फ मीडिया मैनेजमेंट, फोटो और ऋद्रद्य बनकर रह जाए तो यह शहर के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

शायद यही सबसे गंभीर चिंता है

आज हालात आक्रोश के चरम पर पहुंचने से पहले के अंतिम पड़ाव जैसे दिखाई दे रहे हैं। भोपाल में महापौर के वाहन में आग लगाने जैसी घटना को भी केवल एक अलग-थलग घटना मानकर नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। ऐसी घटनाएं समाज के भीतर बढ़ती बेचैनी और व्यवस्था के प्रति घटते भरोसे की गंभीर चेतावनी हो सकती हैं। जनता के आक्रोश को केवल कानून-व्यवस्था का विषय मानकर दबाया नहीं जा सकता। उसके पीछे छिपे सवालों को भी समझना होगा। लोग क्या कह रहे हैं? किस बात से नाराज हैं? किस व्यवस्था से उनका भरोसा उठ रहा है? और क्या हम उनकी बात सुनने के लिए समय रहते तैयार हैं? यह किसी व्यक्ति, अधिकारी या राजनीतिक दल के खिलाफ आरोप-पत्र नहीं है। यह हम सभी के लिए आत्मावलोकन का समय है। क्योंकि लोकतंत्र में जनता का धैर्य असीमित नहीं होता और व्यवस्था पर भरोसा भी अपने आप कायम नहीं रहता। उसे काम से अर्जित करना पड़ता है।

अब निजी विवि खोलने 10 हैक्टेयर भूमि व 5 करोड़ रु. निधि जरुरी नहीं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● भोपाल मप्र में अब निजी विवि खोलने के लिए न्यूनतम 10 हैक्टेयर भूमि, ढाई हजार वर्ग मीटर निर्मित क्षेत्र एवं 5 करोड़ रुपये विन्यास (एन्डोवमेंट फण्ड) निधि की अनिवार्यता नहीं होगी। यह नया प्रावधान राज्य में लागू हो गया है। अब सिर्फ पर्याप्त भूमि एवं निर्मित क्षेत्र होने का प्रावधान किया गया है। इसके लिए विधानसभा के गत वर्षाकालीन सत्र में 22 जुलाई को मप्र निजी विवि स्थापना एवं संचालन संशोधन विधेयक पारित किया गया था जिसे अब राज्यपाल की स्वीकृति मिलने से यह कानून के रूप में लागू हो गया है। इस नये प्रावधान को लागू करने के उद्देश्य में कहा गया है कि भूमि की उपलब्धता सीमित है और इसकी कीमत बहुत अधिक है। अधोसंरचना हेतु मानदण्ड छोटे निवेशकों को नई संस्थाओं को प्रारंभ करने से रोकते हैं। इसी प्रकार, विन्यास (एन्डोवमेंट फण्ड) निधि की बड़ी राशि अप्रयुक्त रह जाती है। ऐसे उपबंध बहुधा शिक्षा उद्यमियों को बाधा पहुंचाते हैं, जो विवि के प्रारंभ होने के पूर्व निधि की बड़ी राशि की व्यवस्था नहीं कर पाते हैं, भले ही उनकी विवि स्थापित करने की मजबूत तथा ठोस वित्तीय योजना हो। यह बहुधा उच्च गुणवत्ता संस्थाओं को उच्च शिक्षा क्षेत्र में प्रवेश से रोकते हैं और प्रतियोगिता सीमित करते हैं।

एजुकेशन पोर्टल 3.0 की नाकामी का ठीकरा फोड़ने की तैयारी

ई-अटेंडेंस का नया पेच: डेटा लीक हुआ तो पेनल्टी शिक्षक भरेगा, बिना शर्त माने हाजिरी नहीं लगेगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● ऑनलाइन ई-अटेंडेंस को लेकर पहले से परेशान सरकारी शिक्षकों के सामने शिक्षा विभाग ने नई शर्त खड़ी कर दी है। हमारे शिक्षक एप पर ड्यूटी टाइम लॉगइन करने से पहले शिक्षकों को डेटा सुरक्षा संबंधी शपथ पर सहमति देना अनिवार्य कर दिया गया है।

चौंकाने वाली बात यह है कि शपथ पर सहमति न देने पर अटेंडेंस दर्ज ही नहीं हो रही है। एप और पोर्टल के अन्य विकल्प भी पूरी तरह ब्लॉक हो जाते हैं। ऐसे में बिना शर्तों को समझे शिक्षक सहमति देने के लिए मजबूर हैं। लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) की ओर से एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर जारी इस दस्तावेज में शिक्षकों की निजी जानकारी, अटेंडेंस टाइम, जियो-लोकेशन और सिस्टम लॉग की गोपनीयता से जुड़ी शर्तें हैं। पोर्टल या एप से स्क्रीनशॉट, फोटो, डेटा डाउनलोड या शेयर करने पर रोक लगाई गई है। नियमों के उल्लंघन पर विभागीय कार्रवाई और लॉगइन बंद करने का प्रावधान है।

शिक्षकों का आरोप : एजेंसी की नाकामी, सजा भुगतेंगे हम

शिक्षकों का आरोप है कि भविष्य में किसी शिक्षक के लॉगइन से डेटा बाहर जाने या पोर्टल के गलत इस्तेमाल का मामला सामने आने पर इसी अंडरटेकिंग के आधार पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एप या पोर्टल से डेटा लीक होने पर जिम्मेदारी केवल शिक्षक की कैसे हो सकती है? पोर्टल संचालित करने वाली एजेंसी की क्या जवाबदेही होगी, यह तय नहीं है।

कोर्ट में मामला पेंडिंग, फिर भी थोपी जारही शर्तः ई-अटेंडेंस में डेटा प्राइवेसी और जियो-लोकेशन की सुरक्षा को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर है। न्यायालय की ओर से कोई विशेष निर्देश नहीं दिए जाने के बावजूद विभाग द्वारा अंडरटेकिंग लिए जाने पर सवाल उठ रहे हैं।

ठेकेदारों ने आबकारी विभाग की कार्रवाई को दिखाया ठेंगा

कार्रवाई के बाद 24 घंटे में खुली अवैध शराब दुकानें

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

जिला कलेक्टर और जिला आबकारी विभाग के अधिकारियों द्वारा दिए गए सख्त निर्देशों के बावजूद क्षेत्र में शराब ठेकेदारों के हौसले बुलंद हैं। रंगवासा क्षेत्र में ठेकेदार द्वारा नियम-कायदों को ताक पर रखकर खुलेआम अवैध अड्डे संचालित किए जा रहे हैं। हाल ही में हुई कार्रवाई के महज 24 घंटे के भीतर फिर से अवैध बिक्री शुरू होने से प्रशासन की सख्ती पर सवाल खड़े हो गए हैं। गौरतलब है कि रंगवासा क्षेत्र में ठेकेदार द्वारा खुलेआम बेची जा रही अवैध शराब की शिकायतों के बाद आबकारी विभाग के एरिया इंचार्ज राजेश वट्टी की टीम ने ताबड़तोड़ छापेमारी की थी।

विभाग ने आबकारी अधिनियम की धारा 34/1 के तहत करीब 5 मामले दर्ज कर कार्रवाई की थी।

कार्रवाई का असर बेअसर बेखौफ बिक रही शराब स्थानीय सूत्रों और ग्रामीणों के अनुसार, रंगवासा शराब ठेकेदार संतोष मालवीय और पार्टनर जगदीश गेहलोत को विभाग की इस कार्रवाई का कोई खौफ नहीं है। महज 24 घंटे भीतर ही फिर से वही अवैध शराब के अड्डे सजा दिए गए और यह गंदा खेल दोबारा शुरू हो गया। ठेकेदारों के इस बेखौफ रवैये से ऐसा प्रतीत होता है मानो वे पुलिस और आबकारी प्रशासन को खुला ठेंगा दिखा रहे हो।

ग्रामीणों में आक्रोश, एरिया इंस्पेक्टर की कार्यप्रणाली कटघरे में

एक तरफ आबकारी विभाग जिले भर में बड़ी-बड़ी कार्रवाई करने का दावा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में ठेकेदार नियमों की धज्जियां उड़ाकर क्षेत्र में अराजकता फैला रहे हैं। इस घटनाक्रम से एरिया इंस्पेक्टर राजेश वट्टी की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। राजेश बट्टी को क्षेत्र का प्रभार संभाले करीब एक महीना बीत चुका है। लेकिन वे अवैध कारोबारियों पर शिकंजा कसने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रहे हैं। प्रशासनिक ढील और ठेकेदारों की दबंगई के कारण क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है और लोग अब सीधे वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश के सागर जिले में जहरीली शराब से 19 लोगों की मृत्यु कि आग अभी ठंडी भी नहीं हुई है। उसके बावजूद भी संतोष जगदीश के जुगल जोड़ी रगवासा में अवैध शराब का काला खेल चला रहे हैं। क्या आबकारी और पुलिस सागर में हुई घटना का इंतजार कर रही आखिर किसके संरक्षण पर शराब माफिया अवैध शराब का कारोबार चला रहे विश्वसनीय सूत्र बताते हैं कि जगदीश गहलोत का उज्जैन कनेक्शन बड़ा मजबूत है रंगवासा शराब दुकान से दूसरे जिलों में भी माल की सप्लाई होती है उज्जैन का नाम आते ही अधिकारी कार्रवाई करने से पीछे हट जाते हैं। एरिया इंस्पेक्टर राजेश बट्टी की कार्यवाही को रंगवासा शराब ठेकेदारों ने खुलेआम तमाचा जड़ा है जो 24 घंटे के अंदर दोबारा अवैध अड्डे चालू हो गए इससे स्पष्ट प्रतीत होता है जिले के आबकारी अधिकारियों से भारी रंगवासा शराब ठेकेदार दिखाई दे रहे हैं।

भाजपा नेता अनिल धाकड़ की दावेदारी से मचा घमासान

नगर परिषद चुनाव करीब आते ही राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

देपालपुर • जैसे-जैसे चुनाव का समय करीब आ रहा वैसे-वैसे देपालपुर में राजनीतिक सर गर्मियां बढ़ती दिखाई दे रही देपालपुर में राजनीतिक बाजार बहुत चर्चा का विषय बना हुआ है। क्योंकि यहां एक नहीं अलग-अलग दल के नेता नगर परिषद अध्यक्ष के लिए ताल ठोक रहे वर्तमान स्थिति में भाजपा से प्रबल दावेदारी कर रहे पार्षद प्रतिनिधि अनिल धाकड़ का दावा देपालपुर में सबसे मजबूत है। अनिल धाकड़ स्वयं दो बार के पार्षद रहे वर्तमान में इनकी पत्नी पार्षद हैं धाकड़ समाज से आते हंसमुख और मिलनसार व्यक्ति हैं।

देपालपुर नगर में इनका अच्छा खासा प्रभाव आम जनता देख रही इस बार धाकड़ देपालपुर में छोटू सिंह रावणा की बड़ी भजन संध्या करवा रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है धाकड़ आने वाले नगर परिषद चुनाव में अध्यक्ष के प्रबल दावेदार है। पार्टी टिकट दे या ना दे धाकड़ निर्दलीय ताल ठोकेंगे इतना ही नहीं विश्वसनीय सूत्र बताते हैं कि इस बार देपालपुर में जबरेश्वर सेना नगर के 15 ही वार्डों में चुनाव लड़ेगी निर्दलीयों के कारण भाजपा और कांग्रेस के समीकरण इस बार चुनाव में बिगड़ेंगे। नगर में कांग्रेस के पास दो मजबूत चेहरे हैं नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष संतोष ठाकुर दूसरा नाम जितेंद्र गुड्डू ठाकुर जो वर्तमान में पार्षद है दोनों एक ही परिवार से आते हैं। कांग्रेस किसी को भी खड़ा कर सकती है लेकिन भाजपा के पास उम्मीदवारों की कमी नहीं है आयोजन के बहाने अनिल धाकड़ ने दावेदारी जाता दी वहीं पूर्व नगर परिषद के अध्यक्ष पप्पू यादव भी दावेदार है वहीं वर्तमान अध्यक्ष महेशपुरी गोस्वामी, गोपाल कटेसरिया, दीनदयाल चौबे,रवि चौरसिया, दिलिप यादव, इस बार दावेदारी जता रहे, लेकिन राजनीतिक जानकारों का कहना है अनिल धाकड़ इस बार चुनावी मैदान में खड़े होंगे चाहे बीजेपी टिकट दे या निर्दलीय लड़ना पड़े लेकिन देपालपुर की भाजपा में बड़ा घमासान होने वाला है इस बार देखना होगा भाजपा आने वाले समय में किस पर अपना दाव लगती है।

न्यूज़ ब्रीफ

नेक्सस सेलेक्ट मॉल्स ने स्टाइल रश के साथ प्री-फेस्टिव फैशन सीजन पर बढ़ाया फोकस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • एंड-ऑफ-सीजन सेल और फेस्टिव खरीदारी की शुरुआत के बीच सितंबर का समय रिटेल के लिए ऐसा मौका है, जिसका अब तक पूरा फायदा नहीं उठाया गया। इसी महीने ऑटम-विंटर कलेक्शंस बाजार में आते हैं, फैशन ट्रेंड्स में बदलाव शुरू होता है और ग्राहक अपने फेस्टिव वॉर्डरोब की तैयारी करने लगते हैं। नेक्सस मॉल्स ने अपने स्टाइल रश कैम्पेन के जरिए इस अवधि को फैशन कैलेंडर में खास जगह देने की पहल की है। सेल या त्योहार-केंद्रित प्रमोशन के बजाय स्टाइल रश का फोकस डिस्कवरी पर है। कैम्पेन के तहत फैशन, फुटवियर, ब्यूटी और एक्सेसरीज में नए कलेक्शंस, चुने हुए ट्रेंड्स और स्टाइल इंस्पिरेशन को एक साथ पेश किया जाएगा, ताकि फेस्टिव शॉपिंग में तेजी आने से पहले ग्राहक नए विकल्प देख-परख सकें।

जावा, येज़्दी और बीएसए मोटरसाइकिल्स ने इंडियन सुपर गेमिंग लीग का किया ऐलान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • क्लासिक लेजेंड्स ने आज इंडियन सुपर गेमिंग लीग 2026 में शामिल होने का एलान किया है। इसके जरिए कंपनी अपनी जावा, येज़्दी और बीएसए मोटरसाइकिल्स को एक ऐसे मंच पर ला रही है जहाँ प्रतिस्पर्धा, संस्कृति और समाज का अनूठा संगम होता है। इसकी शुरुआत चेन्नई से होगी, जो आईएसजीएल के चुनिंदा शहरों में से एक है। इसके बाद इसे पूरे देश में ले जाया जाएगा। इस लीग के दौरान जावा, येज़्दी और बीएसए मोटरसाइकिल्स को आईएसजीएल के सभी आयोजन स्थलों और एक्सपीरियंस ज़ोन में दिखाया जाएगा।

प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्र संघ चुनाव कराय जाने की तिथि की तत्काल घोषणा करे प्रदेश सरकार

उच्च शिक्षा कार्यालय का पूर्व एवं वर्तमान छात्र नेताओं ने घेराव कर मुख्यमंत्री शिक्षा मंत्री के नाम दिया ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव जोहर मानपुर वाला के नेतृत्व में अतिरिक्त उच्च शिक्षा कार्यालय का वर्तमान छात्र नेताओं इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र द्वारा किया गया प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं शासकीय-अशासकीय महाविद्यालयों में प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्र संघ चुनाव कराने एवं चुनाव की निश्चित तिथि शीघ्र घोषित करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव एवं उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार के नाम अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, इंदौर किरणबाला सलूजा के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया।

आज आयोजित घेराव कार्यक्रम में शहर कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव एवं जोहर मानपुर वालाने कहा कि छात्र संघ चुनाव युवाओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था से जोड़ने और नेतृत्व का अवसर देने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। जब देश में लोकसभा, विधानसभा एवं स्थानीय निकायों के चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से होते हैं, तो महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को अपने प्रतिनिधि का प्रत्यक्ष चुनाव करने के अधिकार से वंचित क्यों रखा जा रहा है?

उन्होंने कहा कि प्रदेश के अनेक महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में विद्यार्थी मूलभूत सुविधाओं, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक समस्याओं तथा शिकायतों के समय पर निराकरण को लेकर परेशान हैं। ऐसे समय में छात्रों की आवाज को मजबूती से प्रशासन तक पहुंचाने के लिए निर्वाचित छात्र प्रतिनिधित्व आवश्यक है। देवेंद्र सिंह यादव एवं जोहर मानपुर वाला ने कहा कि 'छात्र संघ चुनाव लोकतंत्र की पाठशाला और युवा नेतृत्व की पहली सीढ़ी हैं।' पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी द्वारा 18 वर्ष के युवाओं को मतदान का अधिकार देकर लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी मजबूत की गई थी।

लता मंगेशकर जयंती पर दो दिवसीय राष्ट्रीय अलंकरण सम्मान समारोह 27 से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •राष्ट्रीय लता मंगेशकर अलंकरण सम्मान समारोह एवं गीत संध्या का दो दिवसीय आयोजन 27-28 सितम्बर को इंदौर में होगा। मुख्य समारोह 28 सितम्बर को होगा। अलंकरण समारोह की तैयारियों को लेकर इंदौर संभागायुक्त भास्कर लक्षकार ने बैठक आयोजित की। बैठक में संभागायुक्त लक्षकार ने कहा कि स्वर कोकिला लता मंगेशकर के नाम से प्रतिवर्ष आयोजित राष्ट्रीय लता मंगेशकर अलंकरण सम्मान समारोह इस बार 28 सितम्बर को लता मंगेशकर ऑडिटोरियम परस्पर नगर इंदौर में सम्पन्न होगा। 28 सितम्बर को स्वर कोकिला लता मंगेशकर की जन्म जयंती है। अलंकरण समारोह एक वर्ष संगीत निर्देशन एवं दूसरे वर्ष पार्श्व गायन के क्षेत्र में दिया जाता है। संभागायुक्त ने आगे कहा कि राष्ट्रीय लता मंगेशकर अलंकरण समारोह एवं गीत संध्या के तहत स्वर कोकिला लता मंगेशकर के जीवनवृत पर केन्द्रित दुर्लभ चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा।

महोत्सव में दिया धर्मरक्षा का संदेश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • सरजूपारीण ब्राह्मण समाज की महिला समिति ने सपना संगीता रोड स्थित सभागार में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के निमित्त महोत्सव सोमवार को आयोजित किया। इस अवसर पर महिला सम्मान, सत्य, धर्मरक्षा के लिए प्रयास करने का संदेश दिया। आयोजन में रश्मि तिवारी, डॉ. रजनी पांडेय, रंजीता शुक्ला ने व्याख्यान में कहा कि जब धर्म की हानि की स्थिति बनने लगे तो अपनो पर भी प्रतिकार करना चाहिए, अच्छे कर्म करना चाहिए, फल की इच्छा नहीं करना चाहिए। कार्यक्रम में पुष्पा दुबे, जागृति दुबे, ज्योति तिवारी, अनिता मिश्र, सुनीता उपाध्याय, संध्या पांडे, करूणा द्विवेदी, विद्या शुक्ला का विशेष सहयोग रहा। यह जानकारी समाज की रेखा त्रिपाठी ने दी।

अनंत चतुदर्शी चल समारोह में 'गतका फरी' और 'दो हाथ की बनेठी' का प्रदर्शन कर सकेंगे अखाड़े

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर में 25 सितम्बर को अनंत चतुदर्शी का चल समारोह परंपरागत रूप से आयोजित होगा। समारोह में नयनाभिराम झांकियां निकलेगी, वहीं शस्त्र कलाओं का प्रदर्शन करते हुए अखाडे भी निकलेंगे। जिला प्रशासन द्वारा सर्वश्रेष्ठ झांकियों और अखाड़ों का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। जिला प्रशासन के निर्णायक मंच के समक्ष प्रदर्शन के लिए इस बार दो शस्त्र कला विधाओं का चयन किया गया है। इस मंच के समक्ष अखाड़ों के कलाकार 'गतका फरी' और 'दो हाथ की बनेठी' कला का प्रदर्शन कर सकते हैं। शस्त्र कला का निर्धारण आज संभागीय जनसंपर्क कार्यालय इंदौर में संपन्न हुई जिला प्रशासन अखाड़ा निर्णायक समिति की बैठक में किया गया। समिति द्वारा निर्णय लिया गया है कि उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर शस्त्र कला के उक्त दोनों वर्गों में महिला अखाड़ों को विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। प्रत्येक खेल के लिये तीन-तीन मिनट का समय प्रत्येक अखाड़े को दिया जाएगा। अखाड़ों को समय और अनुशासन का पालन करना होगा। अखाड़ों को जिला प्रशासन द्वारा तय किये गये दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन करना होगा। अखाड़ों के साथ डीजे का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा।

संभागायुक्त लक्षकार की अध्यक्षता में विभागीय निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • संभागायुक्त भास्कर लक्षकार की अध्यक्षता में आज संभागायुक्त कार्यालय में विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों एवं सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभागायुक्त लक्षकार ने मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण संभाग इंदौर और ग्रामीण यांत्रिकी सेवा इंदौर मंडल द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में संभागायुक्त लक्षकार ने निर्देश दिये कि पीएमजीएसवाय-3 एवं पीएमजीएसवाय-4 के तहत स्वीकृत किये गये कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण किया जाये। साथ ही मुख्यमंत्री मजरा टोला योजनान्तर्गत स्वीकृत कार्य को समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाये। ये जाये। इसके अलावा क्षतिग्रस्त एवं जलमग्न, पुल पुलिया का पुनर्निर्माण योजना के तहत पूर्ण किया जाये। साथ ही सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में पूर्ण किया जाये। नेशनल हाईवे पर बनाये राष्ट्रीय राजमार्ग पीएनजीएसवाय की सड़कों को किया क्षतिग्रस्त दुरूस्त करने के दिये निर्देश

शिक्षक दिवस के अवसर पर सिका ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन द्वारा 25 वर्ष की सतत सेवा के लिए पं दीपक शर्मा सम्मानित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • संस्था के चेयरमैन कार्तिक शास्त्री,प्रबंध न्यासी डॉ आर. श्रीधर,ट्रेज़रर ट्रस्टी के. गिरिधरन, ट्रस्टी द्वयजी. रमेश और वी. सुरेश अय्यर ने पं दीपक शर्मा को शाल, श्रीफल, पुष्प,प्रषस्ती पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सिका 78 सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में तीनो स्कूल और कॉलेज के प्राचार्य और बड़ी संख्या में शिक्षक और एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ, सब स्टाफ उपस्थित थे, साथ ही सिका में 10,20,25, 30 वर्ष की सेवाओं के लिए शिक्षक, सहायक स्टाफ, ट्रांसपोर्ट स्टाफ और अन्य को भी सम्मानित किया गया। प्रषस्ती पत्र में पं दीपक शर्मा को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के प्रति उनके असाधारण समर्पण और प्रतिबद्धता, तथा संस्थान में 25 वर्षों की विशिष्ट सेवा पूरी करने के उपलक्ष्य में हम उन्हें सम्मानित करते हैं; उनकी अथक मेहनत, मार्गदर्शन और परामर्श ने अनगिनत लोगों के भविष्य को संवारा है। संस्थान का प्रबंधन उनके अटूट उत्साह, धैर्य और विशेषज्ञता की सराहना करता है, जिन्होंने संस्थान की प्रगति और शैक्षणिक उत्कृष्टता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सिका एजुकेशनल ट्रस्ट उनके निरंतर सफल भविष्य के लिए हार्दिक प्रशंसा और शुभकामनाएं व्यक्त करता है। हार्दिक बधाई। ऐसा लिखा गया।

बिना परमिट यात्री बस एवं स्कूली बच्चों को ले जा रही वैन जब्त, 70 हजार 500 रू. की चालानी कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेश एवं क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा के निर्देशन में परिवहन निरीक्षक श्री आकाश सिटोले द्वारा बिना वैध परमिट संचालित यात्री एवं स्कूल वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान रेडिसन चौराहे पर बिना परमिट संचालित यात्री बस तथा राऊ चौराहा के पास स्कूली बच्चों को ले जा रही बिना परमिट वैन को जब्त किया गया। दोनों वाहनों सहित कुल 70 हजार 500 की चालानी कार्रवाई की गई। परिवहन आयुक्त मध्यप्रदेश श्री उमेश जोगा के निर्देशानुसार यात्री बसों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए अगले दो सप्ताह तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान में बसों में फायर एक्सटिंग्विशर सहित आवश्यक अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता, वैधता एवं कार्यशीलता की जांच की जाएगी तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई होगी।

शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण करें सुनिश्चित- कलेक्टर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज समय-सीमा पत्रों (टीएल) के निराकरण की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं, नागरिक सेवाओं तथा सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निराकरण की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप नागरिकों से संबंधित सभी आवेदनों और शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। शिकायतों के निराकरण में केवल खानापूर्ति नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपूर्ण समाधान पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में वनमण्डलाधिकारी श्री लाल सुधाकर सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रिंकेश वैश्य सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का डिस्पोजल निर्धारित समय-सीमा में होना चाहिए। समीक्षा के दौरान ऐसी शिकायतों को चिन्हित किया जाए, जिनमें अनावश्यक विलंब अथवा लापरवाही सामने आ रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी आवेदन या शिकायत के निराकरण में अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारी-कर्मचारी की जवाबदारी तय करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि समीक्षा के दौरान चिन्हित कुछ शिकायतों में लापरवाही सामने आई है, जिस पर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है। नगर निगम क्षेत्र से संबंधित एक शिकायत के निराकरण में अनावश्यक विलंब पाए जाने पर संबंधित कर्मचारी सहायक ग्रेड-3 श्री संजय पांडे को निलंबित करने और एनआरवाय शाखा के श्री सी.एस. निगम के तीन दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। मामले की जांच भी की जा रही है तथा जांच में जिसकी भी जवाबदारी सामने आएगी।

बिजली कंपनी की बोर्ड मिटिंग में उपभोक्ता सेवाओं पर जोर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की मिटिंग सोमवार को हुई। वर्चुअल रूप से मिटिंग की अध्यक्षता प्रदेश के ऊर्जा सचिव एवं कंपनी के पदेन अध्यक्ष विशेष गढ़पाले की। इस अवसर पर उपभोक्ता सेवाओं पर जोर देने का आह्वान किया गया। 1912, सीएम हेल्प लाइन एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त विद्युत संबंधी शिकायतों पर तुरंत संज्ञान लेकर समाधान के निर्देश दिए गए। उपभोक्ता संतुष्टि के लिए प्रत्येक वितरण केंद्र में तीन शिविर लगाने के निर्देश दिए गए, इस दौरान स्मार्ट मीटर के उपभोक्ता हितैषी लाभ एवं सौर ऊर्जा से संबंधित जानकारी भी दी जाएगी। मिटिंग में कंपनी के नए डायरेक्टर के रूप में इंदौर संभागायुक्त भास्कर लक्षकार को नामांकित किया गया। इस अवसर पर अन्य निर्णय भी सर्वसहमति से लिए गए। इस दौरान प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह न कंपनी क्षेत्र में आपूर्ति, राजस्व संग्रहण, शिविर, स्मार्ट मीटर इत्यादि विषयों से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत की। मिटिंग में बोर्ड मेम्बर कैलाश वानखेड़े, अमनवीर सिंह बैस, अंकुश नाले, डॉ. अरूणा तिवारी, मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान, कंपनी सचिव श्रीमती आराधना कुलकर्णी आदि ने भी विचार रखें।

भूमिगत मेट्रो में बदलाव पर कोर्ट ने मांगी स्टेटस रिपोर्ट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • एमजी रोड पर प्रस्तावित भूमिगत मेट्रो रेल परियोजना को लेकर दायर याचिका में स्थगन आवेदन पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता किशोर कोडवानी ने सुनवाई के दौरान तर्क दिया कि भूमिगत मेट्रो की पूर्व योजना में काफी बदलाव किए गए हैं। इसलिए 22 अगस्त 2024 को जारी गजट में संशोधन किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने दावा किया कि नई योजना के कारण 20 से 25 हजार भवन प्रभावित हो सकते हैं, लेकिन प्रभावित होने वाले लोगों को इसकी जानकारी नहीं है। मामले में कोर्ट ने परिवर्तन योजना की स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। अगली सुनवाई अगले सप्ताह होगी। सुनवाई के दौरान मामले की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने मेट्रो की परिवर्तन योजना से संबंधित स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। न्यायाधीश

के अस्वस्थ होने के कारण मामले में आगे की सुनवाई अगले सप्ताह किए जाने के आदेश दिए गए हैं।

याचिका में तीन प्रमुख मुद्दे उठाए

1. प्रस्ताव किसका, स्पष्टनहीं : कोडवानी ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है किभूमिगत मेट्रो का प्रस्ताव जिला सरकार का है या निगम का। दोनों में से किसी की ओर से प्रस्ताव स्पष्ट रूप से प्रस्तुत नहीं किया जा सका है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि प्रस्तावित मार्ग के भवन मालिकों से ऋण योजना की वसूली किस आधार पर की जाएगी।

2. धरोहर क्षेत्र में निर्माण की अनुमति का सवाल: याचिकाकर्ता ने कहा कि धरोहर क्षेत्र के 300 मीटर के दायरे में निर्माण के लिए राष्ट्रपति की अनुमति से संबंधित गजट नोटिफिकेशन प्रस्तुत नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकरण में नियमों के तहत आर्थिक जुर्माने और जेल की सजा का प्रावधान है।

3. भूजल प्रभावित होने की आशंका: याचिका में भूमिगत जल के विखंडित होने की आशंका भी जताई गई है। कोडवानी के अनुसार उत्तर दिशा में 650 मीटर और दक्षिण दिशा में 555 मीटर के मध्य क्षेत्र में एमजी रोड मेट्रो रेल को करीब 80 मीटर नीचे डाला जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि 5,000 वर्गमीटर की योजना के लिए पर्यावरण अनुमति नहीं ली गई है। इस मुद्दे पर जिला दंडाधिकारी की ओर से भी कोई निर्णय नहीं दिए जाने की बात कही गई।

गैस सिलेंडर के अवैध भंडार पर खाद्य विभाग की बड़ी छापामार कार्रवाई

महावीर परिसर रिहायशी इलाके में घर से बड़ी संख्या में भरे हुए गैस सिलेंडर जप्त'

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कलेक्टर शिवम वर्मा निर्देश पर आज खाद्य विभाग के अमले द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है। खाद्य विभाग द्वारा एक शिकायती सूचना के आधार पर गोमटगिरी स्थित महावीर परिसर में बड़ी कार्रवाई करते हुए बड़ी संख्या में भरे हुए गैस सिलेंडर जप्त किये गये है।

खाद्य नियंत्रक एम.एल मारू ने बताया कि यह कार्रवाई मकान नंबर 4 महावीर परिसर गोमटगिरी के प्रेमचंद जैन के मकान पर की गई। यहां से इंडेन गैस के 14.2 किलोग्राम के घरेलु भरे 12 सिलेंडर,, इंडेन कंपनी के 19 किलोग्राम के व्यावसायिक 65 सिलेंडर, व 5 किलो के 7 गैस सिलेंडर कुल 84 गैस सिलेंडर जप्त किया गए हैं। प्रेमचंद जैन द्वारा बताया गया कि उनके भतीजे अभय जैन द्वारा खजूरिया श्याम कैटरिंग के नाम से कैटरिंग का काम किया जाता है एवं उनका होटल भी है। 'अवध गैस एजेंसी 'के सिलेंडर से लेने का प्रारंभिक जांच में पता चला है जिस पर जांच जारी है। रिहायशी इलाके में भारी मात्रा में गैस सिलेंडरों के अवैधानिक रूप से भंडारण से बड़ी दुर्घटना की आशंका थी। इसको देखते हुए कलेक्टर ने तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री वर्मा ने सख्त निर्देश दिए कि भविष्य में भी इस तरह की कार्रवाई लगातार की जाये। प्रकरण में प्रेमचंद जैन पिता नेमीचंद जैन निवासी महावीर परिसर एवं खजुरिया श्याम कैटरिंग के प्रोपराइटर अभय जैन पर आवश्यक वस्तु नियम की धारा 3,7 अंतर्गत प्रकरण पंजीकृत किया।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, मंगलवार 08 सितंबर 2026

न्यूज ब्रीफ

संस्था समृद्ध ने एडवोकेट विवेक सिंह का किया सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र स्टेट बार एसोसिएशन के चुनाव में प्रदेशभर में सर्वाधिक मत प्राप्त कर निर्वाचित हुए एडवोकेट विवेक सिंह का संस्था समृद्ध द्वारा सम्मान किया गया। सिंह ने सर्वाधिक मत हासिल कर इंदौर का नाम प्रदेश स्तर पर रोशन किया। संस्था समृद्ध के अध्यक्ष लोकेश 'लक्की' अवस्थी ने विवेक सिंह को श्रीमद्भगवद्गीता, भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान संस्था के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में अर्जुन छतरी, बंटी ठाकुर समृद्ध अवस्थी सौरभ राठौर सहित अन्य उपस्थित थे।

मुनिसुव्रत स्वामी जैन मंदिर पर आज से 8 दिवसीय पर्युषण महोत्सव में होंगे अनेक अनुष्ठान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एलआईजी लिंक रोड स्थित अनुराग नगर में प.पू. गच्छाधिपति विज्ञानप्रभ सूरीश्वर म.सा. की प्रेरणा और साध्वी प.पू. भव्यप्रभाश्रीजी म.सा. आदिठाणा 4 की निश्रा में अध्यात्मलक्षी चातुर्मास महोत्सव का आयोजन मंगलवार 8 सितम्बर से प्रारंभ होगा। इस दौरान 15 सितम्बर तक प्रतिदिन तप, तपस्या, प्रवचन, प्रतिक्रमण, पौषध, देरासर पूजा विधि, शक्रोस्तव पक्षाल एवं श्रावक-श्राविकाओं के लिए विधि-विधान से विभिन्न क्रियाएँ आयोजित होगी। पर्युषण में प्रतिदिन आरती, आंगी, नए-नए संगीतकारों के साथ रात्रि को 8 से 10 बजे तक भक्ति संगीत के आयोजन भी होंगे। ट्रस्ट के अध्यक्ष हेमन्त डोसी ने बताया कि न्यासी मंडल की ओर से पर्युषण महापर्व के दौरान समाज बंधुओं की सुविधा के लिए सभी प्रबंध इस व्यवस्था के साथ किए गए हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को दर्शन हो सकें और वे परमात्मा के स्पर्श एवं पूजा करने का पुण्य लाभ उठा सकें। समूचे मन्दिर परिसर को तीर्थ रूप में श्रृंगारित किया गया है।

केंद्रीय राज्य मंत्री को शराबबंदी के लिए ज्ञापन दिया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नशा मुक्त भारत के लिए शपथ संकल्प अभियान कार्यक्रम हेतु सोमवार को लता मंगेशकर ऑडिटोरियम मे पधारे सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले को डॉ. अम्बेडकर युग सेवा समिति ने ज्ञापन सौंपकर मांग की, की महात्मा गाँधी जयंती की तरह डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर की जयंती पर 14 अप्रैल को भी भारत मे शराबबंदी रख ड्राई डे घोषित किया जाये। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता मुरलीधर राहुल मेटांगे, दीपक महेशराम, योगेंद्र गवांदे, भीमराव सरदार, रघुवीर मरमट, पीसी रायपुरे राम चौहान व अन्य साथी मौजूद थे।

दतिया में फिर से पोस्टर पर फ्रंट में नरोत्तम मिश्रा... आशुतोष गायब!

दैनिक इंदौर संकेत

दतिया ●भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय के बाहर लगाए गए एक शुभकामना पोस्टर को लेकर सियासी चर्चाएं तेज हो गई हैं। पोस्टर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा और स्थानीय पार्षदों तक को जगह दी गई है, लेकिन दतिया विधानसभा के पूर्व भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी की तस्वीर नजर नहीं आ रही है। पोस्टर से उनका नाम भी गायब है।

पर्व की शुभकामनाओं का पोस्टर

भाजपा कार्यालय परिसर के बाहर यह पोस्टर किसी पर्व या कार्यक्रम की शुभकामनाओं के लिए लगाया गया है। इसमें पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ जिला स्तर के कई नेताओं और पार्षदों के फोटो लगाए गए हैं। हालांकि, हाल ही में दतिया विधानसभा उपचुनाव लड़ चुके आशुतोष तिवारी को पोस्टर में शामिल नहीं किए जाने से राजनीतिक चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

उपचुनाव में कम अंतर से मिली थी हार

आशुतोष तिवारी हाल ही में हुए दतिया विधानसभा उपचुनाव में भाजपा के प्रत्याशी थे। चुनाव में उन्हें बेहद कम वोटों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद भी तिवारी क्षेत्र में लगातार सक्रिय नजर आ रहे हैं और पार्टी के विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों में उनकी मौजूदगी बनी हुई है।

पोस्टर ने बढ़ाई राजनीतिक अटकलें

भाजपा कार्यालय के बाहर लगे पोस्टर में पार्टी के कई नेताओं को स्थान मिलने के बावजूद आशुतोष तिवारी की तस्वीर और नाम नहीं होने को लेकर अब तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। हालांकि, पोस्टर में उन्हें जगह क्यों नहीं दी गई, इसे लेकर पार्टी की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

फिर से होगा पोस्टर वॉर

ऐसे में यह पोस्टर महज एक सामान्य शुभकामना संदेश है या इसके पीछे संगठन से जुड़ा कोई राजनीतिक संदेश है, इसे लेकर दतिया के राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं जारी हैं। आने वाले वक्त में इस तरह के और भी अलग-अलग पोस्टर दिखाई दे सकते हैं, क्योंकि दतिया बीजेपी जिला अध्यक्ष की घोषणा जल्द होने वाली है।

धनिष्का के जन्मदिन पर राजनीति, धर्म और खेल जगत की हस्तियां हुयी शामिल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता तनुज दीक्षित एवं डेंटल सर्जन डॉ. चेतना दीक्षित की सुपुत्री धनिष्का दीक्षित के चौथे जन्मदिन के अवसर पर इंदौर में आयोजित समारोह राजनीति, अध्यात्म, खेल और सामाजिक क्षेत्र की कई प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति का साक्षी बना। देश और प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे अतिथियों ने धनिष्का को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल और मंगलमय भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। समारोह में शामिल होने बिहार सरकार के वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री विजय कुमार सिन्हा विशेष रूप से इंदौर पहुंचे। म.प्र. सरकार के वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, विधायक गोलू शुक्ला तथा पूर्व विधायक जीतू जिराती सहित अनेक राजनीतिक एवं सामाजिक हस्तियां समारोह में शामिल हुईं। सभी ने धनिष्का को स्नेहपूर्वक आशीर्वाद दिया और दीक्षित परिवार को शुभकामनाएं दीं।

आयोजन में संत एवं आध्यात्मिक जगत की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। महामंडलेश्वर राधे-राधे बाबा, महामंडलेश्वर रामगोपाल दास महाराज, महामंडलेश्वर नितिन मटकर महाराज, महामंडलेश्वर दादू महाराज तथा अन्ना महाराज ने समारोह में पहुंचकर धनिष्का को आशीर्वाद प्रदान किया। वहीं नीम करौली बाबा के पौत्र डॉ. धनंजय शर्मा की विशेष उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया। संत समाज ने धनिष्का के स्वस्थ, दीर्घायु एवं उज्ज्वल जीवन की कामना की।

एमपीपीएससी मुख्य परीक्षा पेपर पिछले साल से आसान:पहले दिन का पेपर न बहुत आसान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2026 के पहले दिन का पेपर अभ्यर्थियों ने मॉडरेट डिफिकल्टी लेवल का बताया। उनके मुताबिक प्रश्नपत्र न तो बहुत कठिन था और न ही बहुत आसान। पिछले साल की तुलना में इस बार पेपर कुछ सरल रहा, हालांकि कुछ सवाल ऐसे थे, जिनके बेहतर उत्तर के लिए विषय की गहरी जानकारी जरूरी थी। सतना के अभ्यर्थी संजू धाकड़ ने बताया कि पेपर में राज्यों की रैंकिंग समेत कई तथ्यों से जुड़े सवाल पूछे गए। प्राचीन इतिहास से पूछे जाने वाले सवालों का पैटर्न भी इस बार कुछ अलग रहा। संजू के मुताबिक पिछले साल के पेपर की तुलना में इस बार प्रश्नपत्र थोड़ा सरल लगा। पिछले पेपर में कुछ सवालों को लेकर कन्फ्यूजन था और कुछ प्रश्न हल करना भी मुश्किल रहा था।

उन्होंने बताया कि इस बार करीब 50 से 60% अभ्यर्थियों का अटेंप्ट अच्छा रहा होगा। ऐसे में पिछले साल की तुलना में कटऑफ थोड़ी बढ़ने की संभावना है। उन्होंने कटऑफ 19-20 के आसपास जाने की संभावना जताई। अनूपपुर के परीक्षार्थी कमलेश कुमार बनावाल ने पेपर को पिछले साल के लगभग बराबर का बताया। उनके मुताबिक पेपर का स्तर एवरेज और मॉडरेट था।

शास्त्री पुल को तोड़कर नया बनाने की चर्चा एक बार पुनः सामने आई है

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 70 साल पुराने पुल को तोड़ने में क्या फायदा है? और उसे तोड़े बगैर और क्या हो सकता है? इस बारे में जो भी अध्ययन अधिकारियों ने यदि किया हो तो वह आमजन के सामने आना चाहिए।

साथ ही नया पुल जो 6 लेन का बनने वाला है वो कैसे बनने वाला हे उसकी जनरल अरेंजमेंट ड्राइंग आमजन को उपलब्ध होना चाहिए। उसके लिए पुराने पुल के अलावा जो की 4 लेन का बना हुआ है। किस ओर की जमीन का उपयोग किया जाएगा? क्या शास्त्री मार्केट को तोड़ा जाएगा? या घंटाघर की ओर की खुले स्थान को लिया जाएगा? दोनों ही मामलों में अपने-अपने नफा नुकसान है।

पुराना पुल जो आर्च आकार से बना हुआ है। उसे में सिर्फ जो रेलवे के बोगदे हैं उसे तोड़कर,जिस प्रकार लवकुश चौराहे पर उल्टी आर्च लोहे की ट्रस्ट से बनाकर बनाया गया है, वैसा करने से क्या फायदा हो सकता है? इससेऊंचाई कम पडने की जो समस्या आजू-बाजू आर्च के आ रही है,उससे निजात मिल सकती है?इस पर भी विचार होना चाहिए। यह संभव होता है तो पूरे पुल की भुजाओं को तोड़ने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी। बहुत कम खर्च ओर समय मे ये काम है सकता हे।

साथ ही अतिरिक्त जो दो लाइन बनने वाली है और पुरानी 4 लेन को नए में बदल जाएगा। इन 6 लाइन लेने को क्या क्रमशः बनाया जा सकता है? जिससे कि शहर सारी परेशानियों से बच सके। इसके अंतर्गत पहले नई दो लाइन डाली जावे ।फिर पुराने पुल की दो लाइन को नया रूप दिया जाए। और फिर बची हुई दो लाइन को। इस प्रकार 6 लाइन का ब्रिज बनाया जा सकता है। इस तरीके से शहर के यातायात को कोई तकलीफ भी नहीं होगी, और यह कार्य अधिकतम 30 महीने में पूरा भी हो सकता है ।जो कि मैं रेलवे स्टेशन बनने की समय सीमा भी है। इसके अंदर नई दो लाइन को बनाने में सीहस्थ के कारण कोई रुकावट न होने से ।आज ही काम शुरू हो सकता है। उपरोक्त सभी बातों पर रेल्वे के ,नगर निगम के अधिकारी ओर जन प्रतिनिधियों ने विचार मंथन , शहर तकनीकी लोगों के साथ अवश्य करना चाहिए। – **अतुल शेठ**

चातुर्मास में राष्ट्रसंत प.पू सुधासागर म.सा. के पावन सानिध्य में शहर बनेगा नया कीर्तिमान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वीआई पी रोड दलाल बाग पर तीर्थ चक्रवर्ती प. पू. राष्ट्रसंत सुधासागर महाराज की पावन निश्रा में जैन समाज के इतिहास में पहली बार एक नया और यशस्वी कीर्तिमान रचने जा रहा है, जब आगामी 16 से 25 सितंबर तक यहाँ श्रावक संस्कार शिविर का विराट आयोजन होगा जिसमें देश-विदेश के 10 हजार से अधिक श्रद्धालु शामिल होकर अपना गृहस्थ जीवन त्यागकर मोबाइल एवं गाड़ी-बंगले सहित वैभव से दूरी बनाकर मुनियों की दिनचर्या आत्मसात करेंगे। इन सभी साधकों को शहर के करीब 15 हजार परिवारों का आतिथ्य भी प्राप्त होगा जहाँ वे मुनियों की सादगीपूर्ण वेशभूषा में पहुंचकर भोजन एवं आतिथ्य स्वीकार करेंगे। शहर में यह अपने किस्म का पहला श्रावक संस्कार शिविर हो रहा है जिसकी व्यापक तैयारियां अब अंतिम दौर में पहुँच गई है। इनमें अनेक श्रद्धालु विदेशों से भी आ रहे हैं। मोबाइल, गाड़ी-बंगले और भौतिक सुख, साधनों से दूरी, अनुशासन और संयम का जीवन - शिविर के प्रमुख पुण्यार्जक चक्रवर्ती आकाश-आलोक जैन कोयला एवं चातुर्मास के चक्रवर्ती मनीष-सपना गोधा, नवीन-शिवानी गोधा, आनंद-अंतिका गोधा एवं सकल दिगंबर जैन धर्म प्रभावना समिति के महामंत्री हर्ष जैन ने बताया कि यह शिविर मात्र धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि श्रावकों के जीवन में संस्कार, संयम, आत्मचिंतन और आत्मकल्याण की भावना जागृत करने वाला अनूठा आध्यात्मिक प्रयोग है।

क्षत्रिय मराठा नवनिर्माण सेना की बैठक,युवक-युवती परिचय सम्मेलन 3 जनवरी को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●क्षत्रिय मराठा नवनिर्माण सेना का युवक-युवती परिचय सम्मेलन 3 जनवरी 2027 को आईटीआई के पास स्थित महाकाल गार्डन पर आयोजित होगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर बैठक सोमवार को क्षत्रिय मराठा नवनिर्माण सेना के स्नेहलतागंज स्थित संस्था के कार्यालय पर आयोजित की गई। इसमें सभी पदाधिकारियों के साथ ही महिलाएं और युवतियां भी बड़ी संख्या में उपस्थित हुई। श्री क्षत्रिय मराठा नवनिर्माण सेना के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रकांत कुंजीर, मिलिंद दीघे और स्वाति मोहिते ने बताया कि नवनिर्माण सेना द्वारा आयोजित इस परिचय सम्मेलन की तैयारियों का दौर शुरू हो गया है। 3 जनवरी को होने वाले हाईटेक युवक-युवती परिचय सम्मेलन के लिए शहर के साथ-साथ अन्य प्रदेशों की भी प्रविष्टियां प्राप्त होना शुरू होगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष क्षत्रिय मराठा नवनिर्माण सेना द्वारा आयोजित परिचय सम्मेलन की हाइटेक व्यवस्था होगी। सेना के पदाधिकारी कार्यालय स्थल पर भी युवक-युवतियों के फार्म जमा होना शुरू होंगे। सोमवार को ही बैठक में निर्णय लिया गया कि परिचय सम्मलेन में एक बहुरंगी स्मारिका का प्रकाशन भी किया जाएगा। कई समितियां का गठन होगा।

70 वीं राज्य स्तरीय शालेय शूटिंग प्रतियोगिता आरम्भ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्यस्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता 2026 अंतर्गत इंदौर में 7 से 11 नवंबर 2026 तक आयोजित शूटिंग प्रतियोगिता राऊ स्थित एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल की शूटिंग रेंज में आरम्भ हुई । शालेय खेल प्रतियोगिता के आयोजक संयुक्त संचालक श्रीमती अनिता चौहान और श्री हेमंत वर्मा सहायक संचालक खेल द्वारा बताया गया कि प्रतियोगिता में 14 ,17 , 19 वर्ष के संभागों से प्रतिभागी और ऑफिशियल सहभागिता हेतु इंदौर में आ चुके है जिनकी आवास व्यवस्था मारवाड़ी धर्मशाला और गोपाल मंदिर धर्मशाला में ही गई है । राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता प्रचार - प्रसार समिति के सदस्य दिनेश परमार ने बताया कि इस अवसर पर इंदौर, उज्जैन, भोपाल, ग्वालियर, सागर, नर्मदापुरम, जबलपुर, रीवा व जनजाति कार्य आदि संभागों के खिलाड़ी राजस्तरीय रायफल शूटिंग प्रतियोगिता में भाग ले रहें है। इस दौरान जनरल मैनेजर के आर वर्मा,वरिष्ठ व्यायाम शिक्षक अनिल गौड़, प्राचार्य राजेश सिंह, एस एस मोर्य, एस एम प्रजापति, प्रकाश गौड़, हेमंत सिंह पंवार, महावीर मालवीय, महेंद्र मेराल, विनोद कुमावत,आनंद यादव, रजत रोज, राहुल बछोतिया, ललित पारीख आदि उपस्थित थे।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क:94250-64357,94245-83000

सम्पादकीय

भाग्य

मानव स्वभाव है कि वह अपनी हर छोटी-बड़ी सफलता का सेहरा स्वयं अपने ही सिर बाँधना चाहता है। जब जीवन में पद, प्रतिष्ठा, धन, प्रेम और सम्मान का शिखर मिलता है, तो अहंकार बड़ी सहजता से भीतर प्रवेश कर जाता है और हम सोचने लगते हैं कि यह सब केवल हमारी मेहनत, योग्यता और बुद्धिमत्ता का ही परिणाम है। परंतु जीवन के गूढ़ गणित में केवल हमारा ही पुरुषार्थ कार्य नहीं करता; इसके पीछे 'साझा भाग्य' और 'अदृश्य पुण्य' का एक ऐसा सूक्ष्म विधान भी चल रहा होता है, जिसे हम प्रायः अनदेखा कर देते हैं। सृष्टि का यह एक अटल और सुंदर नियम है कि कई बार हमारा अपना भाग्य स्वयं हमारे कर्मों से नहीं, बल्कि हमारे जीवन में मौजूद किसी अन्य 'पुण्यात्मा' के भाग्योदय से जगमगाता है। आज आप जिस सुख, समृद्धि, सुरक्षा और प्रसन्नता का उपभोग कर रहे हैं, संभव है कि उसका मूल स्रोत आप नहीं, बल्कि आपके साथ खड़ा कोई विशेष व्यक्ति हो। वह आपके माता-पिता हो सकते हैं, जिनकी निस्वार्थ प्रार्थनाएँ जीवनभर आपका सुरक्षा-कवच बनी रहती हैं। वह आपका जीवनसाथी हो सकता है, जिसके मौन त्याग और निश्छल प्रेम के आते ही आपके बंद पड़े सफलता के द्वार अचानक खुलने लगते हैं। वह आपकी संतान हो सकती है, जिसके पवित्र कदम घर में एक नई ऊर्जा और संपन्नता ले आते हैं, या फिर वह कोई सच्चा मित्र और शुभचिंतक हो सकता है, जिसकी सद्भावनाएँ आपको अनगिनत संकटों और अनहोनी से बचा लेती हैं। कई बार हम जिन बड़ी मुसीबतों से बाल-बाल बच जाते हैं, वह हमारी चतुरता नहीं, बल्कि हमारे प्रियजनों का वह पुण्य होता है जो ढाल बनकर हमारे आगे खड़ा हो जाता है। उनके आपके जीवन में होने मात्र से ही सृजन की अपार खुशियाँ आपकी ओर खिंची चली आती हैं। इसलिए थोड़ा ठहरिए, अपने भीतर के अहंकार को शांत कीजिए और इस सूक्ष्म रहस्य को गहराई से महसूस कीजिए। अपने चारों ओर देखिए और पहचानिए उस भाग्यशाली आत्मा को, जिसकी सकारात्मक ऊर्जा से आपका संसार रोशन है। उस पुण्यात्मा के प्रति कृतज्ञ होइए और ईश्वर के साथ-साथ उनका भी सहृदय धन्यवाद कीजिए, क्योंकि सच्चा भाग्य केवल स्वयं पाना नहीं, बल्कि किसी ऐसे व्यक्ति का साथ पाना है जिसका भाग्य आपके पूरे जीवन को सार्थक बना दे!

सतीश शर्मा

मौत की इमारतें : कब थमेगा भ्रष्टाचार और लापरवाही का यह जानलेवा खेल?

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में एक पांच मंजिला इमारत का ताश के पत्तों की तरह ढह जाना और मलबे में दबकर छह बेगुनाह जिंदगियों का असमय खत्म हो जाना महज़ एक आकस्मिक हादसा नहीं है, बल्कि यह हमारे देश के महानगरीय विकास के खोखलेपन और प्रशासनिक तंत्र के सड़ चुके ढांचे की एक और खौफनाक बानगी है। हर ऐसे हादसे के बाद सरकारी अमला कुंभकर्णी नींद से जागता है, कुछ मुआवजे की घोषणाएं होती हैं, एक जांच समिति का गठन कर दिया जाता है, और कुछ दिनों बाद सब कुछ सामान्य मानकर फिर से उसी ढर्रे पर लौट आता है। लेकिन बुनियादी सवाल वहीं का वहीं खड़ा है कि आखिर कब तक देश के नागरिक चंद पैसों के भूखे बिल्डरों और भ्रष्ट अधिकारियों के इस जानलेवा गठजोड़ की वेदी पर अपनी जान की आहुति देते रहेंगे? आखिर कब तक हमारे शहरों में खड़ी अवैध और जर्जर इमारतें 'मौत की इमारतें' बनकर मासूमों को निगलती रहेंगी? सत्य निकेतन की वह इमारत, जिसे नगर निगम के दस्तावेजों में केवल दो मंजिलों की अनुमति मिली थी, वह कैसे अधिकारियों की नाक के नीचे पांच मंजिला कंक्रीट का टावर बन गई और कैसे उसमें सैकड़ों छात्रों को भेड़-बकरियों की तरह पीजी के रूप में रहने के लिए झोंक दिया गया, यह अपने आप में एक बड़ा प्रशासनिक अपराध है।

यह त्रासदी किसी एक शहर या एक खास इलाके की बानगी नहीं है, बल्कि आज पूरे भारत के महानगरों और तेजी से विकसित हो रहे शहरों की यही कड़वी और डरावनी हकीकत है। यदि हम देश के अन्य हिस्सों पर नजर डालें, तो पाएंगे कि 'मौत की इमारतों' का यह जाल कश्मीर से कन्याकुमारी तक फैला हुआ है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई और उससे सटे ठाणे, कल्याण तथा मुंब्रा जैसे इलाकों का उदाहरण हमारे सामने है, जहां हर साल मॉनसून की पहली बारिश के साथ ही इमारतों के गिरने का सिलसिला शुरू हो जाता है। मुंबई की पुरानी चालें और संकरी गलियों में खड़ी अवैध बहुमंजिला इमारतें दशकों से मौत का इंतजार कर रही हैं। वहां कानूनी पचड़ों, मकान मालिक और किराएदारों के विवादों और नगर निगम की ढीली कार्यप्रणाली के कारण सैकड़ों ऐसी इमारतें आज भी वैसी ही खड़ी हैं, जिन्हें बहुत पहले ही रहने के लिए असुरक्षित घोषित किया जा चुका है। लोग अपनी जान हथेली पर रखकर वहां रहने को मजबूर हैं क्योंकि महानगर की बेतहाशा महंगाई ने उन्हें विकल्पहीन बना दिया है।

इसी तरह, देश के सबसे आधुनिक और हाई-टेक शहरों में शुमार किए जाने वाले दिल्ली-एनसीआर के गुरुग्राम और नोएडा जैसे इलाकों की स्थिति भी कोई बहुत बेहतर नहीं है। जहां एक तरफ गगनचुंबी सोसायटियां और शीशे की

चमचमाती दीवारें प्रगति का ढोल पीटती हैं, वहीं दूसरी तरफ इनके भीतर का सच बेहद भयावह है। हाल के वर्षों में गुरुग्राम और नोएडा की कई पॉश सोसायटियों में निर्माण की बेहद घटिया गुणवत्ता के कारण कभी छतों के प्लास्टर गिर रहे हैं, तो कभी लिफ्ट शाफ्ट ढह रहे हैं, और कभी पूरी की पूरी बालकनी नीचे आ गिरती है। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तरों से घिरे इन हाई-टेक शहरों में भी बिल्डर माफिया ने मुनाफाखोरी के चक्कर में इंसानी जान की कीमत को शून्य बना दिया है। रेरा जैसे कानूनों के आने के बावजूद, कागजी औपचारिकताओं को तो पूरा कर लिया जाता है, लेकिन धरातल पर जो कंक्रीट और लोहा इस्तेमाल हो रहा है, उसकी मजबूती पर हमेशा एक बड़ा सवालिया निशान लगा रहता है।

यदि हम दक्षिण भारत के प्रमुख तकनीकी केंद्र बेंगलुरु की बात करें, तो वहां का परिदृश्य और भी चिंताजनक है। बेंगलुरु जो कभी अपने बगीचों और शांत वातावरण के लिए जाना जाता था, आज अनियंत्रित कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुका है। वहां के कतिपय रिहायशी इलाकों में बिना किसी सॉयल टेस्टिंग (मिट्टी की जांच) के और बिना पर्याप्त पिलर या बेस फाउंडेशन के, रातों-रात चार से पांच मंजिला इमारतें खड़ी कर दी जाती हैं। दलदली जमीनों और सूखे तालाबों के कैचमेंट एरिया पर बनी ये अवैध इमारतें अक्सर जरा सी बारिश या मामूली भू-धंसाव के कारण एक तरफ झुक जाती हैं, जिन्हें बाद में प्रशासन को आनन-फानन में ढहाना पड़ता है। आईटी हब की इस चकाचौंध के पीछे छिपा यह अंधाधुंध और गैर-कानूनी निर्माण किसी भी दिन एक बहुत बड़ी त्रासदी को आमंत्रण दे रहा है।

पूरब की ओर रुख करें, तो कोलकाता और चेन्नई जैसे ऐतिहासिक महानगरों में समस्या का एक दूसरा पहलू सामने आता है। यहां 'विरासत' और 'पुराने कानूनी विवादों' के नाम पर दशकों, बल्कि सदियों पुरानी जर्जर इमारतें खड़ी हैं, जिनके मालिक या तो देश छोड़कर जा चुके हैं या फिर किराएदारों के साथ दशकों से कोर्ट कचहरी के चक्कर काट रहे हैं। इन इमारतों की मरम्मत कराने वाला कोई नहीं है, और नगर निगम इन्हें केवल 'खतरनाक' का एक नोटिस चपकाकर अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री कर लेता है। जब ये इमारतें ढहती हैं और इनके मलबे में दबकर गरीब मजदूर या फुटपाथ पर सोने वाले लोग मरते हैं, तो फाइलें बंद कर दी जाती हैं।

इस पूरे संकट के मूल में जो सबसे बड़ी समस्या है, वह है बिल्डर-माफिया, स्थानीय प्रशासन और पुलिस का वह अपवित्र और अटूट त्रिकोण, जो हर अवैध निर्माण को संरक्षण देता है। कोई भी अवैध इमारत रातों-रात या छिपकर नहीं बनती। कंक्रीट के मिक्सर ट्रक, लोहे की छड़ें और दर्जनों मजदूर दिन-दहाड़े सड़क पर काम करते हैं। स्थानीय बीट कांस्टेबल से लेकर नगर निगम के जूनियर इंजीनियर और क्षेत्रीय अधिकारियों तक, सबको इस बात की पूरी जानकारी होती है कि कहां और किस नियम को तोड़ा जा रहा है। लेकिन रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार की जो व्यवस्था हमारे सिस्टम में नीचे से ऊपर तक पैठी हुई है, वह इन अधिकारियों की आंखों पर पट्टी बांध देती है। जब तक इमारत बनकर खड़ी नहीं हो जाती और बिल्डर अपना मुनाफा कमाकर गायब नहीं हो जाता, तब तक प्रशासन मूकदर्शक बना रहता है। और जब कोई सत्य निकेतन जैसा हादसा होता है, तो सारा ठीकरा प्राकृतिक आपदा या केवल मकान मालिक के सिर फोड़कर असली गुनाहगार अधिकारी साफ बच निकलते हैं।

इस जानलेवा सिलसिले को रोकने के लिए अब केवल कागजी कार्रवाई या निलंबन के नाटक से काम नहीं चलने वाला है। हमें एक बेहद कड़े, पारदर्शी और जवाबदेह तंत्र की आवश्यकता है। सबसे पहले, देश के हर छोटे-बड़े शहर में तीस साल से अधिक पुरानी सभी इमारतों का एक अनिवार्य 'स्ट्रक्चरल ऑडिट' होना चाहिए, और यह ऑडिट किसी स्वतंत्र और प्रतिष्ठित संस्था द्वारा किया जाना चाहिए न कि नगर निगम के भ्रष्ट इंजीनियरों द्वारा। जिन इमारतों का ढांचा कमजोर पाया जाए, उन्हें बिना किसी राजनीतिक या सामाजिक दबाव के तुरंत खाली कराया जाना चाहिए और उनके पुनर्वास की व्यवस्था की जानी चाहिए।

दूसरा और सबसे महत्वपूर्ण कदम यह होना चाहिए कि भविष्य में जब भी कोई अवैध इमारत गिरे, तो केवल मकान मालिक या बिल्डर पर ही मुकदमा दर्ज न हो, बल्कि उस इलाके के नगर निगम अधिकारी, इंजीनियर और पुलिस अधिकारियों को भी सह-आरोपी बनाया जाना चाहिए। जब तक इन सफेदपोश और वर्दीधारी गुनहगारों को जेल की सलाखों के पीछे नहीं भेजा जाएगा और उनकी संपत्तियों को कुर्क नहीं किया जाएगा, तब तक कानून का खौफ पैदा नहीं होगा। भारतीय न्याय संहिता की गैर-इरादतन हत्या जैसी धाराओं का वास्तविक और कड़ा प्रयोग इन अधिकारियों पर होना चाहिए, जिन्होंने अपनी जेबें भरने के लिए सैकड़ों मासूमों की जिंदगी को खतरे में डाला।

इसके साथ ही, आज के इस आधुनिक युग में जब हमारे पास सैटेलाइट इमेजरी, ड्रोन तकनीक और जीआईएस मैपिंग जैसे उन्नत साधन मौजूद हैं, तो अवैध निर्माणों की निगरानी मानवीय भरोसे पर क्यों छोड़ी जाए? हर शहर के मास्टर प्लान को डिजिटल किया जाना चाहिए और किसी भी नए निर्माण या स्वीकृत नक्शे से इतर होने वाले बदलाव को ड्रोन कैमरों के जरिए ट्रैक किया जाना चाहिए। जैसे ही कोई अवैध मंजिल खड़ी हो, सिस्टम में ऑटोमैटिक अलर्ट जनरेट होना चाहिए ताकि भ्रष्टाचार की गुंजाइश को पूरी तरह खत्म किया जा सके। महानगरों की बढ़ती आबादी और जमीन की कमी निश्चित रूप से एक बड़ी चुनौती है, लेकिन इसका समाधान इंसानी जिंदगियों की कीमत पर कंक्रीट के अवैध डेथ-ट्रैप बनाना नहीं हो सकता। यदि हम अब भी नहीं संभले और सत्य निकेतन जैसी त्रासदियों से कोई सबक नहीं लिया, तो देश के कोने-कोने से 'मौत की इमारतों' के गिरने और चीख-पुकार उठने का यह सिलसिला कभी बंद नहीं होगा। विकास की ऊंची-ऊंची बातें तब तक बेमानी हैं, जब तक कि हम अपने नागरिकों को एक सुरक्षित छत और एक सुरक्षित जीवन देने की बुनियादी गारंटी नहीं दे सकते। यह समय खोखली संवेदनाओं का नहीं, बल्कि व्यवस्था की इस सड़न पर एक कड़ा और अंतिम प्रहार करने का है।

अशोक भाटिया
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक,
समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

ऐप पर अटेंडेंस के विरोध में वनरक्षकों का प्रदर्शन, ईको सेंटर पर दिया धरना

दैनिक इंदौर संकेत

धार • वन मंडल में वनरक्षकों की ऐप से हाजिरी के विरोध में कर्मचारियों ने मांडव रोड स्थित वन विभाग के ईको सेंटर के बाहर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने छ्व्रस्नह्र विजेयानान्थम टी. आर. को अपनी समस्याएं बताईं। वनकर्मियों का कहना है कि उनकी ड्यूटी जंगल में दिन-रात चलती है। वे किसी तय समय पर कार्यालय में मौजूद नहीं रहते। कई वन क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क की समस्या रहती है। कर्मचारियों के अनुसार, कई बार मोबाइल या इंटरनेट की सुविधा भी उपलब्ध नहीं होती। ऐसे में तकनीकी दिक्कत के कारण ऐप पर हाजिरी दर्ज नहीं हो पाती है। कर्मचारियों ने आशंका जताई कि इससे वेतन में परेशानी हो सकती है। विरोध के बाद डीएफओ और कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई। इसमें तय किया गया कि मुख्यालय से निर्देश आने तक जंगल में ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों की ऐप से हाजिरी नहीं लगेगी। वे फिलहाल रजिस्टर में हाजिरी दर्ज करेंगे। वहीं, कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारियों की ऐप से हाजिरी जारी रहेगी।

बैंक ऑफ इंडिया का 121वाँ स्थापना दिवस कार्यक्रम

121 पौधों के रोपण एवं नए बिजनेस कीर्तिमान के साथ मनाया स्थापना दिवस

अजय नलवाया (7879800048)
धार • दैनिक इंदौर संकेत

बैंक ऑफ इंडिया के 121वें स्थापना दिवस के अवसर पर धार के जिलाधिकारी श्री राजीव रंजन मीना, आंचलिक प्रबंधक अखिलेश कुमार, उप अंचल प्रबंधक अरुण कुमार जैन एवं बैंक के सभी सदस्यों के साथ 121 पौधों का वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बैंक ऑफ इंडिया द्वारा समाज के अंतिम पायदान तक बैंकिंग एवं वित्तीय सुविधाएं पहुंचाने एवं प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा मुद्रा योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के माध्यम से आमजन को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने में बैंक की भूमिका की प्रशंसा की।

स्थानीय नागरिकों को विभिन्न जनहितकारी योजनाओं, वित्तीय समावेशन तथा सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक जागरूक करने के उद्देश्य से बैंक द्वारा मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आंचलिक श्री अखिलेश कुमार ने ग्राहकों के साथ सीधे संवाद किया और उनके अनुभवों को जाना, जिसमें ग्राहकों ने बताया कि उनके परिवार कई पीढ़ियों से बैंक से जुड़े हैं और ये बात बैंक की टैगलाइन 'रिश्तों की जमा पूंजी' को सार्थक रूप से प्रदर्शित करता है।

मीडिया से संवाद करते हुए अंचल प्रबंधक अखिलेश कुमार ने बताया कि स्थापना सप्ताह के दौरान बैंक ऑफ इंडिया, धार अंचल के व्यवसाय में 31 करोड़ एवं स्थापना दिवस के दिन ही ?20 करोड़ का बिजनेस मिक्स दर्ज किया गया। साथ ही 121 सुकन्या, पी.पी.एफ. और एन. पी एस. खाते, 21 चालू खाते, 251 बचत खाते, 121 स्वास्थ्य बीमा खाते, 121 ए.पी.वाई., 121 पीएम स्वनिधि खातों को भी खोला गया द्य उन्होंने इसे अंचल की टीम की प्रतिबद्धता एवं ग्राहकों के बैंक के प्रति विश्वास का परिणाम बताते हुए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया और वित्तीय समावेशन, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में बैंक ऑफ़ इंडिया निरंतर कार्य करता रहेगा और समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे ।

गणेश पंडाल हटाने के निर्देश पर कांग्रेस हमलावर

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • गणेश उत्सव शुरू होने से पहले शहर में गणेश पंडालों को लेकर प्रशासन और आयोजक मंडलों के बीच विवाद सामने आने लगा है। गणेश गौशाला चौराहे पर लगाए गए पंडाल को हटाने पहुंचे प्रशासनिक अमले और आयोजक मंडल के बीच हुई बातचीत के बाद अब कांग्रेस ने सत्ताधारी भाजपा पर निशाना साधा है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा रघुवंशी ने आरोप लगाया कि शासन, महापौर, विधायक और सांसद से लेकर प्रशासन तक भाजपा के नियंत्रण में होने के बावजूद धार्मिक आयोजनों में इस तरह की आपत्तियां और कार्रवाई की स्थिति पैदा होना सवाल खड़े करता है। 14 सितंबर से शुरू होने वाले गणेश उत्सव को लेकर शहर में पंडालों का निर्माण किया जा रहा है। रविवार को गणेश गौशाला चौराहे पर बनाए गए एक पंडाल को हटाने के लिए सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर पुलिस बल और नगर निगम की टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे। प्रशासन की ओर से ट्रैफिक प्रभावित होने की बात कहते हुए पंडाल हटाने के निर्देश दिए गए।

बंजारा समाज की बैठक, एसटी आरक्षण पर मंथन, प्रदेशभर से 20 से ज्यादा संगठन शामिल

दैनिक इंदौर संकेत

धार • धार के मांडव रोड स्थित एक निजी रिसॉर्ट में रविवार को बंजारा समाज की प्रदेश स्तरीय बैठक हुई। इसमें प्रदेशभर से समाज के प्रतिनिधि और 20 से ज्यादा सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में समाज की एकजुटता, संगठन को मजबूत करने, एसटी आरक्षण, डेवलपमेंट कॉरपोरेशन और बंजारा भाषा को मान्यता देने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। समाज के धर्मगुरुओं और पदाधिकारियों ने कहा कि सभी संगठनों को एक मंच पर आकर समाज के हित और अधिकारों के लिए आवाज उठानी होगी। बैठक में तय किया गया कि समाज की मांगों को सरकार के सामने मजबूती से रखा जाएगा। जरूरत पड़ने पर आंदोलन भी किया जाएगा। बंजारा समाज के प्रदेश प्रभारी कमल बड़तिया ने बताया कि बैठक में प्रदेश के 20 से 25 सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को बुलाया गया था। उन्होंने कहा कि सभी संगठन समाज के हित में काम करने और आरक्षण की मांग के लिए संघर्ष करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों में बंजारा समाज को एससी और एसटी वर्ग में शामिल किया गया है, जबकि मध्यप्रदेश में समाज ओबीसी वर्ग में है। अब समाज मध्यप्रदेश में भी अपनी स्थिति और मांगों को सरकार के सामने रखेगा। कमल बड़तिया ने आरोप लगाया कि भाजपा और कांग्रेस, दोनों की सरकारों ने बंजारा समाज की मांगों पर ध्यान नहीं दिया।

फार्मर रजिस्ट्री में लापरवाही पर 2 पटवारी सस्पेंड, दो का वेतन रोका

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • जिले में फार्मर रजिस्ट्री का काम समय सीमा में पूरा नहीं करने और कार्य में लापरवाही बरतने वाले पटवारियों पर प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। आज पुनासा क्षेत्र में चार पटवारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इनमें दो पटवारियों को निलंबित कर दिया गया है, जबकि दो अन्य पटवारियों के वेतन आहरण पर रोक लगाने के आदेश जारी किए गए हैं।

प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद राजस्व विभाग में हड़कंप की स्थिति है। अधिकारियों का कहना है कि फार्मर रजिस्ट्री का कार्य शासन की प्राथमिकता में शामिल है और इसकी लगातार समीक्षा की जा रही है। समीक्षा के दौरान जिन पटवारियों की प्रगति संतोषजनक नहीं पाई जा रही है, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

दो पटवारियों को किया निलंबित

पुनासा एसडीएम पंकज वर्मा ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री संबंधी कार्य में लापरवाही पाए जाने पर पटवारी पलक गौतम और पटवारी मुकेश कलम को निलंबित किया गया है। वहीं, कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर पटवारी अशोक अत्रे और अनोप सिंह ठाकुर के वेतन आहरण पर रोक लगाने के आदेश जारी किए गए हैं।

प्रशासन के अनुसार, फार्मर रजिस्ट्री के कार्य को लेकर लगातार समीक्षा बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इन बैठकों में सभी पटवारियों को अपने क्षेत्र में फार्मर रजिस्ट्री का काम निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। अधिकारियों द्वारा कार्य की प्रगति की नियमित निगरानी भी की जा रही है। इसके बावजूद कुछ पटवारियों की प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं मिली। इसके बाद जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने जिले के सभी एसडीएम को निर्देश दिए हैं कि फार्मर रजिस्ट्री संबंधी कार्य को प्राथमिकता के साथ समय सीमा में पूरा कराया जाए। प्रशासन का फोकस अधिक से अधिक किसानों की जानकारी को निर्धारित प्रक्रिया के तहत दर्ज कराने पर है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि कार्य में लापरवाही या लगातार कम प्रगति पाए जाने पर संबंधित पटवारी के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन की कार्रवाई को फार्मर रजिस्ट्री के काम में तेजी लाने और मैदानी अमले को जिम्मेदार बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जनजातीय विभाग ने छात्राओं को हॉस्टल खाली करने को कहा, 5 साल से रह रहीं छात्राएं परेशान

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • शासकीय महाविद्यालय अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास की बड़ी संख्या में छात्राएं कलेक्ट्रेट पहुंचीं। छात्राओं ने कलेक्टर के नाम डिप्टी कलेक्टर भागीरथ वाखला को ज्ञापन सौंपकर पांच साल से हॉस्टल में रह रही छात्राओं को हटाए जाने की शिकायत की। छात्राएं एबीवीपी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंची थीं। छात्राओं का कहना है कि उन्हें तीन दिन का नोटिस देकर हॉस्टल खाली करने के लिए कहा गया है, जबकि नर्सिंग की उनकी परीक्षाएं अभी नहीं हुई हैं। ऐसे में परीक्षा से पहले हॉस्टल से हटाए जाने पर उनके सामने रहने और पढ़ाई जारी रखने की समस्या खड़ी हो जाएगी। छात्राओं ने बताया कि वे करीब पांच साल से अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास में रह रही हैं। अब हॉस्टल प्रशासन की ओर से उन्हें तीन दिन का नोटिस दिया गया है। नियमों का हवाला देते हुए कहा गया है कि कोई भी छात्रा पांच साल से ज्यादा समय तक एक ही छात्रावास में नहीं रह सकती।

नर्सिंग की छात्राओं का कहना है कि उनके पाठ्यक्रम और परीक्षाओं में देरी उनकी किसी व्यक्तिगत गलती के कारण नहीं हुई है। अभी उनकी परीक्षा तक नहीं हुई है। ऐसे में परीक्षा पूरी होने से पहले हॉस्टल से बाहर किए जाने पर उनके सामने रहने और पढ़ाई जारी रखने की गंभीर

समस्या खड़ी हो जाएगी। छात्राओं ने बताया कि ज्यादातर छात्राएं दूर-दराज और ग्रामीण इलाकों से बुरहानपुर पढ़ाई करने आई हैं। एबीवीपी के विभाग प्रमुख पृथ्वीराज महाजन ने बताया कि छात्राओं की समस्या को लेकर कलेक्टर से शिकायत की गई है। उन्होंने मामले की जांच कराने की मांग की है। छात्राओं ने हॉस्टल में मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता को लेकर भी शिकायत की है। छात्रावास अधीक्षक सीमा राठौर ने बताया कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान मंत्री की ओर से निर्देश दिए गए थे कि जिन छात्राओं को हॉस्टल में पांच साल पूरे हो चुके हैं, उन्हें हटाया जाए। उन्होंने कहा कि छात्रावास का नियम है कि छात्राएं पांच साल तक ही रह सकती हैं। भोजन की गुणवत्ता को लेकर उन्होंने कहा कि हॉस्टल में खाने की क्वालिटी सही है।

अल्काराज यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में, अमरीकी टॉमी पॉल हराए

न्यूयॉर्क (एजेंसी) ● डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने न्यूयॉर्क में खेले जा रहे यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। वहीं, आर्यना सबालेंका भी अगले राउंड में पहुंच गई है। मेंस सिंगल्स में अल्काराज ने अमरीका के टॉमी पॉल को 6-4, 6-3, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ उनकी ग्रैंड स्लैम में लगातार 18 मैच जीतने की लय बरकरार रही। टूर्नामेंट में अब तक उन्होंने सिर्फ एक सेट गंवाया है।

अल्काराज दाहिनी कलाई की चोट के कारण करीब चार महीने कोर्ट से दूर रहने के बाद लौटे है। अब क्वार्टर फाइनल में अल्काराज का सामना अमरीका के 8वीं सीड बेन शेल्टन से होगा। शेल्टन ने स्टेफानोस सिटसिपास को 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई।

आर्यना सबालेंका छठी बार यूएस ओपन के अंतिम-8 में, अब लिंडा नोस्कोवा से होगा सामना

न्यूयॉर्क (एजेंसी) ● वूमंस सिंगल्स में आर्यना सबालेंका ने अमरीका की टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-3 से मात दी। सबालेंका ने पहला सेट 6-4 से जीता। दूसरे सेट में 1-3 से पिछड़ने के बाद उन्होंने लगातार पांच गेम जीते और मैच अपने नाम किया। इस जीत के साथ सबालेंका लगातार छठी बार यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। अब उनका सामना छठी सीड और मौजूदा विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा से होगा। नोस्कोवा ने मार्ता कोस्त्युक को 7-5, 5-7, 6-4 से हराया। बता दें कि यूएस ओपन के मेंस सिंगल्स में पांच अमरीकी खिलाड़ी अंतिम-16 में पहुंचे थे। इनमें टॉमी पॉल, बेन शेल्टन, लर्नर टिएन, फ्रांसिस टियाफो और एलेक्स माइकलसन शामिल थे। यह 1995 के बाद किसी ग्रैंड स्लैम के अंतिम-16 में पहुंचने वाले अमरीकी मेंस प्लेयर्स की सबसे बड़ी संख्या थी। इनमें से टियाफो, माइकलसन और शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। टियाफो ने पूर्व चैंपियन डेनियल मेदवेदेव को 7-6, 6-4, 7-6 से हराया, जबकि माइकलसन ने टॉमस मार्टिन एचेवेरी को 7-6, 6-4, 6-4 से मात दी। अब टियाफो और माइकलसन क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने होंगे, जिससे सेमीफाइनल में एक अमरीकी खिलाड़ी का पहुंचना तय है।

संदीपा ने शुरू की 'असुर-3' की शूटिंग

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री संदीपा धर ने चर्चित वेब सीरीज असुर सीजन 3 की शूटिंग शुरू कर दी है। संदीपा धर ने सोशल मीडिया पर सेट से बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीरें साझा कर इसकी जानकारी दी। संदीपा द्वारा साझा तस्वीरों में असुर 3 का क्लैपबोर्ड भी नजर आ रहा है। इसके अलावा उन्होंने शूटिंग और अपनी तैयारी से जुड़ी तस्वीरें भी साझा की हैं। उनके पोस्ट में नई शुरुआत और तूफान से पहले की शांति जैसे कैप्शन ने प्रशंसकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। असुर सीजन 3 में अरशद वारसी और बरुण सोबती एक बार फिर प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। उनके साथ श्वेता बसु प्रसाद और अहसास चन्ना भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। गौरव शुक्ला द्वारा क्रिएट की गई यह सीरीज पौराणिक कथाओं, मनोविज्ञान और अपराध जांच के मेल के लिए जानी जाती है। संदीपा धर की भूमिका को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। उनकी तस्वीरों के सामने आने के बाद दर्शकों में उनके किरदार और कहानी में संभावित नए मोड़ को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

आयरनमैन की तैयारी में व्यस्त सैयामी खेर

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री सैयामी खेर इन दिनों अपने करियर और निजी जीवन के व्यस्त दौर का आनंद ले रही हैं। हाल ही में इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में पल भर के लिए के वर्ल्ड प्रीमियर में शामिल होने के बाद वह भारत लौटी हैं और अब अक्षय कुमार तथा सैफ अली खान के साथ हैवान के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसके साथ ही वह अपने तीसरे हाफ आयरनमैन ट्रायथलॉन की तैयारी भी कर रही हैं। मेलबर्न में पल भर के लिए के वर्ल्ड प्रीमियर को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। सैयामी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के सामने फिल्म पेश करना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा। इसके बाद वह हैवान के प्रचार में जुट गईं। व्यस्त शेड्यूल के बावजूद सैयामी अपनी फिटनेस ट्रेनिंग को लेकर लगातार प्रतिबद्ध हैं। दो हाफ आयरनमैन ट्रायथलॉन पूरा कर चुकीं सैयामी अब तीसरी प्रतियोगिता की तैयारी कर रही हैं। इसके लिए वह नियमित रूप से स्विमिंग, साइक्लिंग, रनिंग, स्ट्रेंथ और एंड्योरेंस ट्रेनिंग कर रही हैं। सैयामी ने कहा कि मेरे लिए यह दौर बेहद संतोषजनक रहा है, क्योंकि प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों फ्रंट पर बहुत कुछ हो रहा है। मेलबर्न में पल भर के लिए को जो प्यार मिला, वह मेरे लिए बेहद खास था। इसके बाद अक्षय सर और सैफ सर के साथ हैवान के प्रमोशन में जुटना भी उतना ही रोमांचक है। शेड्यूल काफी व्यस्त है, लेकिन मैं इसे सचमुच एंजॉय कर रही हूं। उन्होंने कहा कि व्यस्तता के बावजूद वह अपनी ट्रेनिंग में निरंतरता बनाए रखने को लेकर सजग हैं।

इंग्लैंड की वनडे और टी-20 टीम के मेंटोर बने केविन पीटरसन

लंदन। (एजेंसी) ● इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को पुरुष व्हाइट-बॉल टीम का स्पेशलिस्ट मेंटोर नियुक्त किया है। वह साउथ अफ्रीका में अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी में टीम के साथ काम करेंगे। पीटरसन इसी महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टी-20 इंटरनेशनल और वनडे सीरीज से ब्रेंडन मैकुलम की टीम के साथ जुड़ेंगे। कोचिंग टीम में मार्कस ट्रेस्कोथिक, टिम साउदी, जीतन पटेल और सारा टेलर भी शामिल हैं। पीटरसन ने टीम से जुड़ने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, मुझे बेहद गर्व है कि इस टीम के वर्ल्ड कप जीतने के सफर में मदद करने के लिए मुझे कहा गया है। 2014 के बाद पहली बार इंग्लैंड की जर्सी पहनना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और बेहद खास पल है। इंग्लैंड व्हाइट बॉल के हैड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा, मेरे मन में केपी और क्रिकेट में उनकी उपलब्धियों के लिए बहुत सम्मान है।

उज्जैन संभाग

नाबालिग से दोस्ती कर ब्लैकमेल करने वाला गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● भाटपचलाना थाना क्षेत्र में नाबालिग से करीब एक महीने तक व्हाट्सएप पर बातचीत के बाद उसे ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पैसे मांगे। शिकायत के बाद पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर दिल्ली पहुंचकर तीन दिन की रैकी के बाद 22 वर्षीय आरोपी को राजीव नगर, रोहिणी सेक्टर, बेगमपुर से गिरफ्तार किया। आरोपी लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था। पुलिस के मुताबिक, नाबालिग ने 1 सितंबर को भाटपचलाना थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। नाबालिग ने पुलिस को बताया कि उसने एक शॉपिंग/ऑनलाइन ऐप पर सामान सर्च किया था। इसी दौरान आरोपी को उसका मोबाइल नंबर मिला और बाद में दोनों के बीच व्हाट्सएप पर बातचीत शुरू हुई।

गोपालपुरा डैम का जलस्तर तेजी से घटा, बारिश नहीं होने से पेयजल और सिंचाई पर संकट

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर ● मनावर क्षेत्र में मान नदी पर बने गोपालपुरा डैम का जलस्तर लगातार घट रहा है। पिछले एक महीने से बारिश नहीं होने के कारण डैम में पानी की आवक बंद है। यह डैम नगर की पेयजल व्यवस्था और आसपास के किसानों की सिंचाई का प्रमुख स्रोत है। डैम के जल प्रभारी मुकेश पाटीदार ने बताया कि पिछले महीने ओंकारेश्वर नहर परियोजना से एक बार पानी छोड़ा गया था, जिससे गोपालपुरा डैम भर गया था। इसके बाद बारिश नहीं होने से जलस्तर लगातार कम हो रहा है। फिलहाल गेट बंद कर पानी का भंडारण किया जा रहा है। डैम के पास खेती करने वाले किसान राधेश्याम ने बताया कि क्षेत्र में कपास, सोयाबीन और मक्का की खरीफ फसल की सिंचाई फिलहाल डैम के पानी से की जा रही है। ऐसे में जलस्तर में कमी का असर कृषि पर भी पड़ सकता है। मनावर नगर में हर महीने करीब 30 एमसीएफटी पानी की खपत होती है। इसी डैम से नगर के 15 वार्डों और कॉलोनियों में पूरे साल एक दिन छोड़कर पेयजल सप्लाई की जाती है। नगर पालिका जल समिति अध्यक्ष मांगीलाल सावले ने बताया कि भविष्य में गोपालपुरा डैम का विस्तार और गहरीकरण करने की योजना है, ताकि जल भंडारण क्षमता बढ़ाई जा सके।

16 सितंबर को किसान महापंचायत, ट्रैक्टरों के साथ आक्रोश महारैली निकालेंगे किसान

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● 16 सितंबर को भारतीय किसान मजदूर महासंघ की ओर से किसान महापंचायत और आक्रोश महारैली आयोजित की जाएगी। इसमें महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्य वक्ता शिवकुमार कक्काजी शामिल होंगे। महारैली में बड़ी संख्या में किसानों के ट्रैक्टरों के साथ पहुंचने की तैयारी की जा रही है। महासंघ के प्रदेश संगठन मंत्री गोपाल पाटीदार पिछले 8 दिनों से 100 से ज्यादा गांवों का दौरा कर किसानों से संपर्क कर रहे हैं। जिलाध्यक्ष संतोष यादव, जिला महामंत्री बहादुर सिंह सोलंकी, निमाड़ प्रांत अध्यक्ष जगदीश यादव और कार्यक्रम प्रभारी विजय छापरिया भी किसानों को रैली में शामिल होने के लिए जागरूक कर रहे हैं।

100 से ज्यादा गांवों में बनाई रणनीति

- महासंघ के प्रदेश संगठन मंत्री गोपाल पाटीदार ने 100 से ज्यादा गांवों में किसान महापंचायत और महारैली को लेकर तैयारियों की रणनीति बनाई है। किसानों से बड़ी संख्या में ट्रैक्टर लेकर रैली में पहुंचने की अपील की जा रही है। पिछले 8 दिनों से महासंघ के पदाधिकारी लगातार गांवों का दौरा कर किसानों से संपर्क कर रहे हैं। महासंघ के प्रतिनिधियों ने कहा कि किसान और मजदूर खुशहाल हुए बिना देश का पूरा विकास संभव नहीं है। किसान महापंचायत में सीसीआई से कपास की पूरी खरीदी, स्वामीनाथन आयोग के सी2+50 प्रतिशत फार्मूले के आधार पर एमएसपी की कानूनी गारंटी और किसानों की कर्जमाफी सहित कई मांगें उठाई जाएंगी। इसके अलावा देशगांव-जुलवानिया और बड़वाह-धामनोद फोरलेन के लिए, चार गुना मुआवजा, पर्याप्त खाद और बीज उपलब्ध कराने, नकली खाद-बीज पर रोक लगाने की मांग भी शामिल है।

टांडा रोड स्टेशन से आज रेल सेवा का शुभारंभ पीएम मोदी वर्चुअल करेंगे उद्घाटन

दैनिक इंदौर संकेत

कुक्षी ● आदिवासी इलाके में 8 सितंबर को रेल सेवा शुरू होने वाली है। इसे लेकर स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है। उद्घाटन से पहले रविवार शाम 7 बजे कलेक्टर और जिले के अन्य अधिकारियों ने टांडा रोड रेलवे स्टेशन का जायजा लिया। उद्घाटन की तैयारियां आखिरी चरण में हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वडोदरा से वर्चुअल तरीके से ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। वहीं, केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर टांडा रोड स्टेशन से ट्रेन को रवाना करेंगी। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों के साथ भाजपा नेता और पत्रकार भी मौजूद थे। टांडा रोड रेलवे स्टेशन पर 8 सितंबर को होने वाले उद्घाटन कार्यक्रम के लिए प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। कार्यक्रम से पहले रविवार को जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के अधिकारियों ने स्टेशन पहुंचकर अलग-अलग व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के समय कलेक्टर राजीव रंजन मीणा, अपर कलेक्टर संजीव पांडे, एसडीएम पाटिल आशीष अशोक, कुक्षी तहसीलदार प्रवीण पाटीदार, कुक्षी एसडीओपी सुनील गुप्ता, थाना प्रभारी संजय रावत और नायब तहसीलदार कैलाश डामोर समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

अधिकारियों ने स्टेशन परिसर, यात्रियों के लिए सुविधाएं, सुरक्षा, ट्रैफिक और पार्किंग समेत उद्घाटन कार्यक्रम से जुड़ी तैयारियों को देखा। इस दौरान रेलवे अधिकारियों और दूसरे विभागों से कार्यक्रम की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली गई। बड़ी संख्या में लोगों के आने की उम्मीद को देखते हुए अधिकारियों ने कार्यक्रम को ठीक से कराने के लिए जरूरी निर्देश भी दिए। प्रशासन सुरक्षा, ट्रैफिक, पार्किंग और दूसरी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे रहा है। 8 सितंबर को होने वाले उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर इलाके में भी खुशी का माहौल है। आदिवासी इलाके में रेल सेवा शुरू होने से विकास और रोजगार के नए मौके मिलेंगे।

दूध के सरकारी भाव से नाराज किसान करेंगे प्रदर्शन, प्रति फैट 3.60 रुपए बढ़ाने की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● जिले की महिदपुर तहसील में दूध के सरकारी भाव को लेकर किसानों ने मोर्चा खोल दिया है। प्रति फैट 3.60 रुपए बढ़ाने की मांग को लेकर रविवार रात महिदपुर, नागदा, उन्हेल, खाचरौद और माकड़ोन क्षेत्र के दूध उत्पादक किसानों की बैठक हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि मांग को लेकर 10 सितंबर को दोपहर 12 बजे बड़ी संख्या में किसान उज्जैन कलेक्टर कार्यालय पहुंचेंगे। यहां कलेक्टर का घेराव कर प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

अभी 8.40 रुपए, 12 रुपए की मांग

महासभा से जुड़े भगवान सिंह ने बताया कि सम्मेलन में उज्जैन और आसपास के क्षेत्रों से आए किसानों ने पशुपालन की बढ़ती लागत और महंगाई को लेकर नाराजगी जताई। किसानों का कहना है कि शासन द्वारा दूध का सरकारी रेट अभी 8.40 रुपए प्रति फैट दिया जा रहा है। किसान इसे बढ़ाकर 12 रुपए प्रति फैट करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि मौजूदा भाव में पशुपालन का खर्च निकालना भी मुश्किल हो रहा है।

पशु आहार और दवाइयों की लागत बढ़ी

किसानों के अनुसार, खल, तेल, पशु आहार, दवाइयों और दुधारू पशुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हुई है। लागत बढ़ने के बावजूद दूध का उचित दाम नहीं मिलने से पशुपालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों ने जिला प्रशासन और शासन को चेतावनी दी है कि 10 सितंबर को कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौंपने के बाद भी मांग पर ठोस निर्णय नहीं हुआ, तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से और तेज किया जाएगा।

बदमाश का पुलिस ने निकाला जुलूस, बेगमबाग में माहौल बिगाड़ने पर उठक-बैठक लगवाई

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● महाकाल थाना पुलिस ने रविवार रात बेगमबाग इलाके में शांति भंग करने और माहौल खराब करने के आरोप में आदतन बदमाश पर कार्रवाई की। पुलिस ने उसे हिरासत में लेने के बाद उसी इलाके में उसका जुलूस निकाला और भविष्य में अपराध न करने के नारे लगवाए। आरोपी महाराजवाड़ा स्कूल के पीछे उज्जैन का रहने वाला है। जुलूस के दौरान उससे कान पकड़कर उठक-बैठक भी लगवाई गई। महाकाल थाना पुलिस के मुताबिक, आरोपी बेगमबाग इलाके में मारपीट, चाकूबाजी और वसूली जैसी हरकतें कर रहा था। इससे लोगों में डर का माहौल था और इलाके की शांति व्यवस्था पर असर पड़ रहा था। पुलिस ने आरोपी को इलाके में जुलूस निकाला। इस दौरान आरोपी कान पकड़कर उठक-बैठक लगाता दिखाई दिया। पुलिस ने उससे 'गुंडागर्दी नहीं करूंगा', 'दादागीरी नहीं करूंगा', 'चाकूबाजी नहीं करूंगा', 'महिलाओं का सम्मान करूंगा' और 'अपराध नहीं करूंगा' जैसे नारे भी लगवाए। पुलिस के अनुसार आरोपी महाकाल थाना इलाके का सूचीबद्ध बदमाश है।

बड़ा गणपति की प्रतिमा पर चढ़ाया चोला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बड़े गणेशजी की विशाल प्रतिमा पर सोमवार को चोला चढ़ाया गया। प्रतिमा पर वर्ष में चार बार विशेष चोला चढ़ाया जाता है। इसमें सवा मन घी, सिंदूर और पन्नियों से श्रृंगार किया जाता है, जिसमें करीब सात दिन लगते हैं। दाधीच परिवार कई पीढ़ियों से भगवान गणेश की सेवा और श्रृंगार में जुटी हैं। गणेश चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक यहां दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है।

यह मंदिर शहर की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस प्रतिमा की स्थापना वर्ष 1901 में पं. नारायणजी दाधीच ने की थी। चरणों से मुकुट तक प्रतिमा की ऊंचाई 25 फीट है और यह चार फीट ऊंची चौकी पर विराजमान है। मान्यता है कि गणेशजी की यह आकृति पं. नारायणजी दाधीच को स्वप्न में दिखाई दी थी। गणेशजी के अनन्य भक्त दाधीच ने उस आकृति को साकार करने का संकल्प लिया। प्रतिमा के निर्माण में चूना, गुड़, रेत, मेथीदाना, विभिन्न स्थानों की मिट्टी, अष्टधातु, नवरत्न और तीर्थों के जल का उपयोग किया गया। इसके निर्माण में करीब तीन वर्ष लगे।

कलेक्टर के निर्देश के बाद सभी गेट पर सख्ती, जांच शुरू

कलेक्टोरेट में बिना हेलमेट-सीट बेल्ट के नहीं मिलेगी एंट्री

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सड़क पर यातायात नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई के बीच अब जिला प्रशासन ने अपने कार्यालय से ही सड़क सुरक्षा का संदेश देने की पहल की है। कलेक्टर कार्यालय में बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट आने वालों को अब प्रवेश नहीं मिलेगा। कलेक्टर शिवम वर्मा ने अधिकारियों, कर्मचारियों और आम आगंतुकों के लिए हेलमेट व सीट बेल्ट अनिवार्य करते हुए सुरक्षाकर्मियों को नियमों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए हैं।

गेट पर ही होगी जांच : कलेक्टर कार्यालय के सभी प्रवेश द्वारों पर तैनात सुरक्षाकर्मी अब वाहनों के साथ आने वाले लोगों पर नजर रखेंगे। दोपहिया वाहन से आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए हेलमेट पहनना जरूरी होगा, वहीं चारपहिया वाहन में आने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और आगंतुकों को सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य रहेगा। नियम का पालन नहीं करने पर संबंधित व्यक्ति को कार्यालय परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

अधिकारियों-कर्मचारियों से शुरू हुई पहल प्रशासन की इस व्यवस्था का सबसे अहम पहलू यह है कि नियम किसी एक वर्ग के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए लागू किया गया है। कलेक्टर कार्यालय में रोजाना बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी और आम नागरिक अपने काम से पहुंचते हैं। ऐसे में प्रशासन ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि सड़क सुरक्षा के नियमों की शुरुआत सरकारी कार्यालयों और जिम्मेदार अधिकारियों से ही होनी चाहिए।

आम लोगों तक पहुंचेगा संदेश : प्रशासन का मानना है कि सरकारी अधिकारी और कर्मचारी यदि स्वयं यातायात नियमों का पालन करेंगे तो इसका असर समाज पर भी पड़ेगा। हेलमेट और सीट बेल्ट सड़क दुर्घटनाओं में जान बचाने वाले बुनियादी सुरक्षा उपाय हैं। कार्यालय परिसर में प्रवेश को इन नियमों से जोड़ने का उद्देश्य लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता बढ़ाना भी है।

सुरक्षाकर्मियों को स्पष्ट निर्देश : सभी प्रवेश द्वारों पर तैनात सुरक्षा कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे बिना हेलमेट दोपहिया वाहन से आने वालों और बिना सीट बेल्ट चारपहिया वाहन में पहुंचने वालों को अंदर प्रवेश न दें। प्रशासन ने व्यवस्था को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए सुरक्षाकर्मियों को विशेष रूप से सतर्क रहने को कहा है।

क्यों पड़ी इस नियम की जरूरत ?

इंदौर में लगातार बढ़ते यातायात दबाव और सड़क हादसों को देखते हुए सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्ती बढ़ाई है। हेलमेट और सीट बेल्ट की अनदेखी दुर्घटनाओं में गंभीर चोट और जान के जोखिम को बढ़ाती है। कलेक्टर कार्यालय से नियम लागू कर प्रशासन ने आम लोगों को सुरक्षा का संदेश देने की पहल की है।

डीएवीवी इसके लिए बनाएगा समिति

नकल की जांच पर संकट : महीनों तक जब्त मोबाइल पड़े रहने से बैटरी डिस्चार्ज, अब नए सिस्टम से होगी जांच

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) में नकल प्रकरणों की जांच अब जब्त मोबाइल की बैटरी डिस्चार्ज होने से अटक रही है। परीक्षा में नकल करते पकड़े गए विद्यार्थियों के मोबाइल महीनों तक विश्वविद्यालय में जमा रहते हैं। इस दौरान फोन की बैटरी खत्म हो जाती है और मोबाइल बंद हो जाते हैं।

ऐसे में अनफेयर मिन्स कमेटी यह पता नहीं लगा पाती कि विद्यार्थी ने परीक्षा के दौरान मोबाइल से कितने सवालों के जवाब लिखे। इस तकनीकी परेशानी के कारण कई नकल प्रकरणों में विद्यार्थियों के खिलाफ उचित और व्यवहारिक निर्णय लेने में दिक्कत आ रही है। अब विश्वविद्यालय ने इसका स्थायी समाधान निकालने के लिए जब्त मोबाइल की जांच के लिए अलग समिति बनाने का फैसला किया है। कार्यपरिषद ने भी इसे मंजूरी दे दी है।

पता नहीं चलता कि कितने सवाल हल किए : मोबाइल बंद होने की स्थिति में समिति यह जांच नहीं कर पाती कि परीक्षा के दौरान विद्यार्थी ने फोन का इस्तेमाल कितनी देर किया और कितने प्रश्नों के उत्तर मोबाइल देखकर लिखे। इससे नकल की गंभीरता तय करने में परेशानी आती है।

कई मामलों में जांच लंबे समय तक अटकी रहती है। इसका सीधा असर विद्यार्थियों के खिलाफ कार्रवाई और सजा तय करने पर पड़ता है। पर्याप्त प्रमाण नहीं मिलने पर कुछ मामलों में विद्यार्थियों को राहत भी देनी पड़ती है।

अब जब्त होते ही मोबाइल की होगी जांच : कुलगुरु डॉ. राकेश सिंघई ने बताया कि परीक्षा के दौरान मोबाइल लाना प्रतिबंधित है। इसके बावजूद यदि प्रश्नपत्र हल करते समय विद्यार्थी के पास मोबाइल मिलता है तो उड़नदस्ता या केंद्राध्यक्ष नकल प्रकरण बनाता है। महीनों तक फोन बंद रहने से बैटरी डिस्चार्ज होने की समस्या सामने आती है, जिससे नकल प्रकरणों की जांच प्रभावित होती है। इसी समस्या से बचने के लिए अलग समिति बनाई जा रही है। यह समिति सिर्फ जब्त मोबाइल से जुड़े नकल प्रकरणों की जांच करेगी, ताकि मोबाइल को जल्द खोलकर उसमें उपलब्ध जानकारी के आधार पर नकल का स्तर तय किया जा सके।

भागीरथपुरा दूषित पानी कांड रिपोर्ट

संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों की विफलता का नतीजा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई 36 मौतों को लेकर हाईकोर्ट के रिटायर जस्टिस सुशील गुप्ता की जांच पूरी हो चुकी है। इसमें करीब 150 पन्ने में रिपोर्ट का मुख्य सारांश है तो वहीं 400 से ज्यादा पन्नों में बयान व अन्य दस्तावेज हैं। इस रिपोर्ट को लेकर द सूत्र अहम खुलासे कर रहा है। इसमें करीब दर्जन भर आईएएस के बयान हुए हैं। इसके साथ ही 30 से ज्यादा अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों के बयान भी हैं।

रिपोर्ट में लिखा- ऐसा पानी दिया जो इंसानों के पीने लायक नहीं था, आयोग की जांच रिपोर्ट में लिखा है कि.. आयोग इस नतीजे पर पहुंचा है कि संबंधित समय के दौरान भागीरथपुरा के निवासियों को ऐसा पीने का पानी सप्लाई किया जा रहा था जो दूषित था और इंसानों के पीने लायक नहीं था। इसलिए, पानी सप्लाई सिस्टम की देखरेख, रखरखाव और निगरानी की जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारियों की जवाबदेही की उचित जांच की जानी चाहिए।

कलेक्टर शिवम वर्मा को क्लीन चिट- समिति ने लिखा है कि रिकॉर्ड और टेंडर प्रक्रिया के घटनाक्रम की जांच के बाद, समिति की यह राय है कि इंदौर नगर निगम के तत्कालीन निगम आयुक्त शिवम वर्मा को इस मामले में जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। रिकॉर्ड में मौजूद जानकारी से शिवम वर्मा की ओर से ऐसा कोई खास काम या चूक सामने नहीं आती है। पूर्व निगमायुक्त प्रतिभा पाल को भी क्लीन चिट है।

अहीरखेड़ी में अवैध कॉलोनी पर चला बुलडोजर, चार भवन किए जमींदोज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में अवैध कॉलोनियों और अनधिकृत निर्माण के खिलाफ नगर निगम ने कार्रवाई तेज कर दी है। सोमवार को जोन क्रमांक 21 के वार्ड क्रमांक 79 स्थित अहीरखेड़ी में निगम की टीम ने निर्माणाधीन अवैध कॉलोनी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए चार भवनों को जेसीबी और पोकलेन की मदद से ध्वस्त कर दिया। करीब 5 हजार स्क्वेयर फीट क्षेत्र में किए गए अवैध निर्माण को निगम अमले ने हटाया।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, अहीरखेड़ी क्षेत्र में खाली मैदान पर अवैध रूप से कॉलोनी विकसित करने की तैयारी की जा रही थी। इसके लिए अलग-अलग भवनों का निर्माण किया गया था। सूचना मिलने के बाद निगम के कॉलोनी सेल और भवन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। अनधिकृत निर्माण पाए जाने पर सोमवार को रिमूवल कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान भवन स्वामी राम परमार, पंकज पंवार, सोनू जायसवाल और गगन परिहार के करीब 5 हजार स्क्वेयर फीट क्षेत्र में बने चार अलग-अलग भवनों को मशीनों की सहायता से तोड़ा गया। यह कार्रवाई निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर की गई।

कलेक्टर के नाम वाली श्रीराम मंदिर की जमीन पर शराब दुकान

36 लाख किराया ले रहे विधायक के रिश्तेदार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● हे राम, यह शब्द इस घटना पर बिल्कुल सही बैठता है। भगवान श्रीराम मंदिर के नाम की जमीन है, व्यवस्थापक कलेक्टर इंदौर हैं। यहां पर न केवल शराब की दुकान खुली है, बल्कि इस जमीन का 36 लाख प्रति साल किराया विधायक के रिश्तेदार ले रहे हैं। इंदौर में सिरपुर इलाके में करीब 20 साल से सरकारी शराब दुकान संचालित हो रही है। यह जगह तहसील मल्हारगंज और इंदौर-1 विधानसभा क्षेत्र में आती है। जिस जमीन पर यह दुकान चल रही है, उसका सर्वे नंबर 394 है और यह जमीन श्रीराम मंदिर के नाम दर्ज है।

इस जमीन के दो हिस्से हैं। इनमें से एक हिस्से पर कुछ लोगों ने 1991 में कोर्ट की डिक्री के जरिए अपना नाम दर्ज करा लिया था। वहीं दूसरा हिस्सा अभी भी श्रीराम मंदिर व्यवस्थापक यानी कलेक्टर इंदौर के नाम पर दर्ज है। इसी हिस्से पर लंबे समय से शराब दुकान संचालित हो रही है।

सर्वे नंबर 394/2 की जमीन करीब 32 हजार वर्गफीट में फैली हुई है। रिकॉर्ड के मुताबिक यह जमीन सीताराम दास ने बेची थी। इसके बाद जून 1991 में जिला कोर्ट की डिक्री के जरिए यह जमीन दूसरे लोगों के नाम दर्ज हो गई। अभी राजस्व रिकॉर्ड में यह जमीन साधना पति प्रकाश के नाम पर दर्ज है। जब यह जमीन आगे बेची गई और अयाज खान ने अक्टूबर 2025 में नामांतरण के लिए आवेदन किया, तब सामने आया कि यह जमीन सरकारी है। इसके बाद जिला प्रशासन ने कोर्ट में आवेदन देकर पुरानी डिक्री को निरस्त करने की मांग की। फिलहाल यह मामला फिर से कोर्ट में चल रहा है। जांच के दौरान सामने आया कि जमीन का दूसरा हिस्सा सर्वे नंबर 394/1 है। यह जमीन श्रीराम मंदिर व्यवस्थापक यानी कलेक्टर इंदौर के नाम पर दर्ज है। इसी जमीन के आगे वाले हिस्से में करीब 4200 वर्गफीट जगह पर सिरपुर की सरकारी शराब दुकान संचालित हो रही है।

मतदाता सूची गड़बड़, चुनाव हुए तो कानून व्यवस्था बिगड़ेगी, वार्ड उपचुनाव स्थगित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के वार्ड में होने वाले उपचुनाव को स्थगित कर दिया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग ने जिला प्रशासन और पुलिस की स्थानीय रिपोर्ट के आधार पर इन्हें स्थगित किया है।

इंदौर के वार्ड 58 में भी उपचुनाव नहीं होंगे। हाईकोर्ट के आदेश से वार्ड 60 में पहले ही स्टे हो चुका है। कारण है कि प्रशासन और पुलिस की गोपनीय रिपोर्ट के आधार पर पाया गया कि चुनाव मतदाता सूची में गड़बड़ी है। यदि इस सूची पर चुनाव कराए गए तो कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा होगी। इसलिए राज्य निर्वाचन आयोग ने पहले मतदाता सूची की जांच और सत्यापन कराने का फैसला लिया है। जांच पूरी होने तक दोनों वार्डों के उपचुनाव को स्थगित कर दिया गया है। मतदाता सूची को लेकर शिकायत मिलने के बाद इंदौर जोन-1 के डीसीपी से रिपोर्ट मांगी गई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि अगर मौजूदा कार्यक्रम के अनुसार चुनाव कराए जाते हैं तो कानून व्यवस्था बिगड़ने की आशंका है। इसके बाद MP Election Commission ने फैसला लिया कि पहले मतदाता सूची का मौके पर जाकर सत्यापन और पूरी जांच कराई जाएगी। जांच पूरी होने के बाद ही उपचुनाव की आगे की प्रक्रिया तय होगी।

सूची सुधार के बाद होंगे चुनाव- आयोग ने पूरे मामले को देखते हुए, इंदौर नगर निगम के वार्ड 58 और 60 की मतदाता सूची की दोबारा जांच कराने का फैसला लिया है। चुनाव से पहले मतदाता सूची का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। इस प्रक्रिया की निगरानी के लिए एक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी को प्रेक्षक नियुक्त किया जा रहा है। जांच पूरी होने तक वार्ड 58 और 60 में होने वाले उपचुनाव का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है।

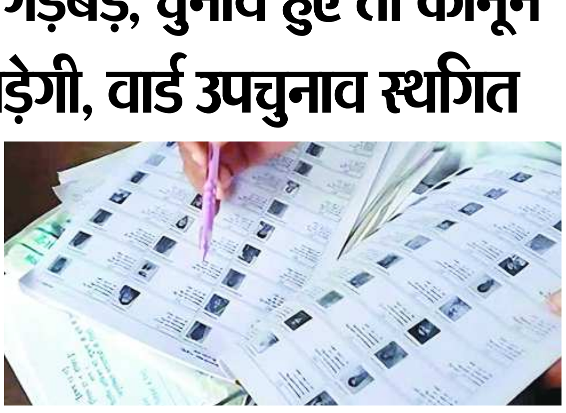

एयर इंडिया एक्सप्रेस विंटर शेड्यूल में सप्ताह में तीन दिन कर सकती है संचालन

अब इंदौर से बैंकॉक के लिए सीधी उड़ान की तैयारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर से थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू होने की उम्मीद बढ़ गई है। एयर इंडिया एक्सप्रेस अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से लागू होने वाले विंटर शेड्यूल में इंदौर-बैंकॉक के बीच सीधी उड़ान शुरू करने की तैयारी कर रही है। प्रस्तावित योजना के तहत यह सेवा सप्ताह में तीन दिन संचालित की जा सकती है। हालांकि, एयरलाइन की ओर से अभी इसकी औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। सीधी उड़ान शुरू होने से इंदौर और आसपास के यात्रियों को बैंकॉक पहुंचने के लिए दिल्ली, मुंबई या बेंगलुरु में विमान बदलने की जरूरत नहीं होगी। वर्तमान में कनेक्टिंग उड़ान के कारण यात्रियों को अतिरिक्त समय के साथ अधिक किराया भी वहन करना पड़ता है।

थाईलैंड की मिलेगी कनेक्टिविटी

थाईलैंड भारतीय पर्यटकों के बीच प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थलों में शामिल है। बैंकॉक के लिए सीधी कनेक्टिविटी मिलने से मध्यप्रदेश के यात्रियों के लिए थाईलैंड जाना आसान होगा। इसका लाभ पर्यटन के साथ व्यापारिक यात्रियों को भी मिल सकता है। कम समय में यात्रा पूरी होने के कारण सप्ताहांत या कम अवधि की यात्राओं के लिए भी बैंकॉक जाना सुविधाजनक हो सकेगा। एयर इंडिया एक्सप्रेस वर्तमान में इंदौर से अबूधाबी के लिए सीधी अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालित कर रही है। बैंकॉक सेवा शुरू होने पर एयरलाइन की इंदौर से यह दूसरी अंतरराष्ट्रीय सीधी उड़ान होगी। इससे देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय विमानतल की अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को भी विस्तार मिलने की उम्मीद है। बैंकॉक उड़ान के संचालन के दिन, समय और किराए को लेकर अंतिम जानकारी एयर इंडिया एक्सप्रेस की औपचारिक घोषणा के बाद सामने आएगी। एयरलाइन की घोषणा के बाद टिकट बुकिंग और उड़ान के समय की स्थिति भी स्पष्ट हो सकेगी।

सीधी सेवा शुरू होने पर यात्रा का समय कम होने के साथ किराए में भी राहत मिलने की उम्मीद है। सोमवार शाम अचानक हुई तेज बारिश के कारण हैदराबाद से आने वाली उड़ान की इंदौर में लैंडिंग नहीं हो सकी। विमान शाम करीब 3.45 बजे इंदौर के हवाई क्षेत्र में पहुंचा था। लैंडिंग के प्रयास के दौरान तेज बारिश होने से पायलट को विमान भोपाल डायवर्ट करना पड़ा। मौसम में सुधार के बाद विमान को वापस इंदौर लाया गया। वहीं, तकनीकी खराबी के कारण जबलपुर और रीवा की उड़ानें रद्द रहीं। उड़ानें के रद्द और विलंबित होने से एयरपोर्ट पर यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई यात्रियों ने उड़ानें रद्द होने पर नाराजगी भी जताई। जबलपुर से इंदौर आने वाली उड़ान सोमवार को निर्धारित समय पर नहीं पहुंच सकी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।